

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

(MBS-01)

1. पाठ्यचर्या का नाम: पालि भाषा एवं व्याकरण
(Name of the Course) : Pāli Language & Grammar

2. पाठ्यचर्या का कोड: MBS-01
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: प्रथम छमाही
(Credit) (Semester): I st

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	02
कुल क्रेडिट घंटे	72

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): पालि भाषा एवं व्याकरण बौद्ध अध्ययन की पाठ्यचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बिना बौद्ध अध्ययन की पढ़ाई नहीं की जा सकती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी) : पालि भाषा एवं व्याकरण की पढ़ाई से छात्र बौद्ध अध्ययन को पढ़ने, समझने और स्वयं के अध्यवसाय से वह भारतीय धर्म एवं संस्कृति, सभ्यता और नीतिशास्त्र को समझ सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	पालि भाषा का उद्भव एवं विकास।	05	01		06	100 %
मॉड्यूल-2	पालि भाषा की विशेषताएँ एवं इसका महत्व	10	01		11	100 %
मॉड्यूल-3	पालि व्याकरण की परम्परा एवं आचार्य मोग्गलान, कच्चायन, सद्धनीति। पालि के ध्वनि समूह का परिचय। परिभाषिक शब्दावली : अक्खर, सर, व्यंजन, निगगहीत, नाम, सब्बनाम। सन्धिप्पकरणं, समासप्पकरणं, कारकप्पकरणं।	30	05		35	100 %

मॉड्यूल-4	पालि से हिन्दी में अनुवाद। हिन्दी से पालि में अनुवाद।	05	01	01	07	100 %
मॉड्यूल-5	पालि निबंध (250शब्द) : भगवायुद्धो, तिलवखण, अरियोअङ्गिकोमग्गो, चत्तारिअरियसच्चाणि, कम्मवादो, पटिच्चसमुप्पादो, निब्बानपरमंसुखं, तिपिटकं, मज्झिमपटिपदा, चत्तारो परमत्था।	10	02	01	13	100 %
योग		60	10	02	72	100 %

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	इससे छात्र पालि भाषा एवं व्याकरण को समझ सकेगा. बौद्ध अध्ययन को पढ़ने के लिए यह एक महत्वपूर्ण विषय है.
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान के द्वारा आपसी संवाद एवं समूह परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी.
तकनीक	कक्षा व्याख्यान, पी.पी.टी., पालि से हिन्दी अनुवाद की तकनीक सीखाना.
उपादान	पी.पी.टी., पालि से हिन्दी अनुवाद की तकनीक सीखाना

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	इससे छात्र पालि भाषा एवं व्याकरण को समझ सकेगा.	पालि से हिन्दी अनुवाद की तकनीक सीखाना.	-	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- कच्चायन व्याकरण: संपादक, तिवारी, लक्ष्मीनारायण एवं शर्मा, बीरबल, तारा प्रकाशन, वाराणसी - पालि महाव्याकरण: संपादक, काश्यप, जगदीश, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली - पालि साहित्य का इतिहास: उपाध्याय, भरत सिंह, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
2	संदर्भ-ग्रंथ	- बालावतारो: संपादक, शास्त्री, स्वामी द्वारिकादास, बौद्ध भारती प्रकाशन, वाराणसी 31 दिन में पालि: कौसल्यायन, भदंत आनन्द, दीक्षाभूमि प्रकाशन, नागपुर - पालि व्याकरण: संपादक, धर्मरक्षित, ज्ञान मंडल प्रकाशन, वाराणसी - पालि भाषा और साहित्य: शास्त्री, इन्द्र चन्द्र, प्रकाशन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय - पालि साहित्य का इतिहास: भिक्षु धर्मरक्षित, ज्ञानमंडल प्रकाशन, वाराणसी - पालि साहित्य का इतिहास: सांकृत्यायन, राहुल, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ - पालि निबन्धावलि: शुक्ल, हरिशंकर, तारा प्रकाशन, वाराणसी
3	ई-संसाधन	पालि भाषा के उच्चारण हेतु वीडियो दिखाना
4	अन्य	पालि भाषा एवं सुत्तों के उच्चारण हेतु वीडियो दिखाना

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायोध्यक्ष)

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. विभाग/केंद्र का नाम : बौद्ध अध्ययन
2. पाठ्यक्रम का नाम : बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर
3. पाठ्यक्रम कोड : एम्. बी. एस. _____
4. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
(विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
बौद्ध अध्ययन का भारतीय विद्या में एक प्रमुख स्थान है। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना को इस रूप में बनाया गया है की विद्यार्थी प्राचीन भारतीय भाषा , साहित्य , व्याकरण , दर्शन , इतिहास आदि समस्त ज्ञानानुशासनों का परिचय पा सके और भारतीय विद्या परम्परा में उसकी रूचि और गति हो सके।	बौद्ध अध्ययन के इस पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण विद्यार्थी में यह कौशल विकसित हो सकेगा कि वह सम्बद्ध ज्ञानानुशासन में नयी ज्ञान की रचना करने में कुशल हो सकेगा तथा परम्परागत ज्ञान और कौशल का शोध द्वारा विकास कर सकेगा। इसके अतिरिक्त ज्ञान का समाजोपयोगी संस्करण प्रस्तुत कर सकेगा अर्थात् ज्ञान का समाज और उसकी समस्याओं से संवाद स्थापित कर सकेगा। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना इस रूप में विशिष्ट है कि इसमें दक्ष विद्यार्थी अपने अंतर और बाह्य अर्थात् अपना जीवन और जगत के साथ कुशलता पूर्वक सामंजस्य स्थापित कर सकेगा।	बौद्ध अध्ययन के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण हुआ विद्यार्थी के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। साथ ही शोध के क्षेत्र में भी उसके लिए असीम संभावनाएं होती हैं। बौद्ध अध्ययन का प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थी के लिए समाज में व्यावसायिक रूप से परामर्शदाता के रूप में भी योग्य बनाता है।

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनुसार पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	MBS-01: पालि भाषा एवं व्याकरण = 4 क्रेडिट MBS 02 – पाली साहित्य का सामान्य परिचय = क्रेडिट 4 MBS 03 बौद्ध धम्म का इतिहास क्रेडिट 4 MBS 04 प्रारम्भिक बौद्ध दर्शन क्रेडिट 4	MBS 05: बुद्ध का जीवन एवं उनकी शिक्षाएं क्रेडिट 2 MBS 06 – बौद्ध संस्कृत साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	22 क्रेडिट
दूसरा सेमेस्टर	MBS 07 चीनी भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 अथवा तिब्बती भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 MBS 08: महायान बौद्ध धर्म क्रेडिट 4 MBS- 9 बौद्ध धर्म का सर्वेक्षण क्रेडिट 4 MBS-010: बौद्ध कला एवं स्थापत्य क्रेडिट 4	MBS-11 बौद्ध नीतिशास्त्र के आधार क्रेडिट 4 MBS-12 बौद्ध दर्शन और मनोविज्ञान का परिचय क्रेडिट 2	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	MBS-13 : पालि सुत्त साहित्य क्रेडिट 4 MBS-14 : पालि विनय साहित्य क्रेडिट 4 MBS-15 : पालि अभिधम्म साहित्य क्रेडिट 4 MBS-16 : उत्तरकालीन पालि साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	MBS 17 पालि त्रिपिटक पद्य साहित्य क्रेडिट 4 MBS 18 वंश एवं पालि काव्य साहित्य क्रेडिट 4	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	MBS-19 : बौद्ध लिपिशास्त्र क्रेडिट-04 MBS-20 : बौद्ध धम्म में आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियाँ क्रेडिट 4 MBS-21 : बौद्ध दर्शन के विभिन्न संप्रदाय क्रेडिट 4	MBS-24: भारत एवं विदेशों में बौद्ध धम्म का प्रचार एवं प्रसार क्रेडिट 2 MBS 24 : बौद्ध धर्म के पुनर्जागरण में डॉ आर्चबिशप का योगदान क्रेडिट 4	22 क्रेडिट

	MBS 22 बौद्ध ज्ञानमीमांसा और न्यायशास्त्र		
कुल क्रेडिट	64 क्रेडिट	26 क्रेडिट	90 क्रेडिट

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएंगे। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: पालि साहित्य का सामान्य परिचय

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MBS 02

(Code of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

3. क्रेडिट: 4
4. सेमेस्टर: प्रथम

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण: प्रस्तुत पाठ्यचर्या के अंतर्गत तिपिटक का परिचय एवं महत्त्व, विनय पीटक यथा महावग्ग, चुल्लवग्ग, पात्तिमोक्ख, तथा सुत्ताप्पीटक, अभिधम्म पीटक का सामान्य परिचय निहित है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: पाठ्यचर्या द्वारा विद्यार्थी बौद्ध अध्ययन के आधारभूत सामग्री अर्थात् पालि साहित्य का सामान्य परिचय पा सकेगा। यह पाठ्यचर्या पाली साहित्य के सामान्य परिचय के साथ साथ विद्यार्थी को तिपिटक का विशेष ज्ञान दे सकेगा जिसके द्वारा उसका बौद्ध अध्ययन एवं सम्बद्ध ज्ञानानुशासनों में रुचि व गति हो सकेगी।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1 तिपिटक का परिचय एवं महत्त्व	शीर्षक – 1. विनयपीठक 2. सुत्तपीठक 3. अभिधम्मपीठक	10		संवाद – 5	15	25 %
मॉड्यूल-2 विनयपीठक	शीर्षक- 1. महावग्ग 2. चुल्लवग्ग 3. पातिमोक्ख	10		संवाद – 5	15	25 %
मॉड्यूल-3 सुत्तपीठक	शीर्षक – 1. दीघनिकाय 2. मज्झिमनिकाय 3. संयुत्तनिकाय 4. अंगुत्तरनिकाय 5. खुद्दकनिकाय उपशीर्षक – 1. धम्मपद 2. सुत्तनिपट 3. थेरगाथा 4. थेरीगाथा 5. जातक	10		संवाद -5	15	25%
मॉड्यूल-4 अभिधम्मपि टक	शीर्षक – 1. धम्मसंगिणी 2. पुग्गलपञ्जति 3. कथावत्थु	10		संवाद -5	15	25%
योग					60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अध्यापक केन्द्रित
विधियाँ	व्याख्यान
तकनीक	संवाद
उपादान	कक्षागत/ऑनलाइन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सम्बंधित विषय में जिज्ञासा एवं कोतूहल पैदा करना	सम्बंधित विषय में सन्दर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	सम्बंधित विषय के आध्यान, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना	विद्यार्थी सम्बंधित विषय के अध्ययन द्वारा समाज में सम्बंधित विषय में ज्ञान उत्पादन में अग्रसर होगा	सम्बंधित विषय में शोध और अनुसन्धान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	सम्बंधित विषय में सरकारी एवं सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	सम्बंधित विषय में गैर सरकारी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। व: स्वयं की संस्था बनाकर समाज के लोगों के लिए काम करेगा

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार *	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75
----------	----	----

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	दीघनिकाय (खण्ड 1) संपा. काश्यप, जगदीश, नवनालंदा महाविहार, नालंदा दीघनिकाय – संपा. एवं अनु. शास्त्री, स्वामी द्वारिकादास, बौद्ध भारती प्रकाशन, वाराणसी महावग्गो : संपादक जगदीश कश्यप, नालंदा संस्करण विनयपिटक : स्वामी द्वारिकादास शास्त्री, बौद्ध भारती प्रकाशन, वाराणसी विनयपिटक : अनु. सांकृत्यायन राहुल, संपा. सिंह प्रियसेन, सम्यक प्रकाशन, नई दिल्ली धम्मपद – संपादक, कौसल्यायन, भदन्त आनन्द, दीक्षाभूमि, नागपुर धम्मपद – संपादक, संघसेन, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली सुत्तनिपातो – संपादक ,धम्मरतन, महाबोधि सोसाइटी, सारनाथ, वाराणसी सुत्तनिपातो – संपादक, भिक्षु धर्मरक्षित, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली थेरगाथा - भरतसिंह उपाध्याय, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग थेरगाथा - अनु. स्वामी द्वारिकादास शास्त्री, बौद्ध भारती प्रकाशन, वाराणसी थेरीगाथा - भरतसिंह उपाध्याय, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग थेरीगाथा - अनु. स्वामी द्वारिकादास शास्त्री, बौद्ध भारती प्रकाशन, वाराणसी

2	संदर्भ-ग्रंथ	पालि साहित्य का इतिहास – उपाध्याय, भरत सिंह, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग पालि साहित्य का इतिहास – भिक्षु धर्मरक्षित, ज्ञानमंडल प्रकाशन, वाराणसी पालि साहित्य का इतिहास – सांकृत्यायन, राहुल, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ पालि निबन्धावलि : शुक्ल, हरिशंकर, तारा प्रकाशन, वाराणसी
3	ई-संसाधन	इन्टरनेट आर्काइव , पी.डी.ऍफ़.ड्राइव , जे.स्टोर , परियत्ती.कॉम , होली बुक्स आदि पर उपलब्ध सामग्री
4	अन्य	

गुप्त
26.10.2020
(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

गुप्त
26.10.2020
(संकायाध्यक्ष)

1. पाठ्यचर्या का नाम: बौद्ध धम्म का इतिहास
(Name of the Course): (History of Buddhism)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MBS-03
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: प्रथम छमाही
(Credit) (Semester): I st

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	02
कुल क्रेडिट घंटे	72

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): यह पाठ्यचर्या बौद्ध अध्ययन की पाठ्यचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बिना बौद्ध अध्ययन की पढ़ाई और समझ नहीं आ सकती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी) : इस पाठ्यचर्या की पढ़ाई से छात्र बौद्ध अध्ययन को पढ़ने, समझने और स्वयं के अध्यवसाय से वह प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व को समझ सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	भारतीय (पुरातात्विक व साहित्यिक) और विदेशी बौद्ध यात्रियों के विवरण बौद्ध धम्म का उद्भव महायान का उद्भव और विकास बौद्ध धम्म का हास	15	02		17	100 %
मॉड्यूल-2	भगवान बुद्ध का जीवन वृत्त महापरिनिब्बान की तिथि निर्धारण	10	02		12	100 %
मॉड्यूल-3	बौद्ध संघ की स्थापना एवं विकास	05	02		07	100 %
मॉड्यूल-4	भगवान बुद्ध के समतामूलक विचार: विशेष संदर्भ जाति, स्त्री, पुरुष प्रथम भारतीय चारों बौद्ध संगीतियाँ	15	02	01	18	100 %

मॉड्यूल-5	प्राचीन बौद्ध शिक्षण पद्धति एवं संस्थानों का विकास: नालंदा विश्वविद्यालय, विक्रमशील विश्वविद्यालय, ओदन्तपुरी विश्वविद्यालय, जगदल विश्वविद्यालय	15	02	01	18	100 %
योग		60	10	02	72	100 %

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	इससे छात्र प्राचीन भारतीय एवं बौद्ध इतिहास को समझ सकेगा। बौद्ध अध्ययन को पढ़ने के लिए यह एक महत्वपूर्ण विषय है।
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान के द्वारा आपसी संवाद एवं समूह परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी।
तकनीक	कक्षा व्याख्यान, पी.पी.टी., इतिहास पढ़ने में अभिरुचि पैदा करना।
उपादान	पी.पी.टी.

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	इससे छात्र प्राचीन भारतीय इतिहास एवं बौद्ध धम्म के इतिहास को समझ सकेगा।	पुरातत्व में रुचि पैदा होगी	प्राचीन भारतीय इतिहास एवं बौद्ध धम्म में रुचि	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	

निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Dutt, N., <i>Early Monastic Buddhism</i> , 2 Vols, Calcutta: 1943 Nakamura, H., <i>Indian Buddhism: A Survey with Bibliographical Notes</i> , reprint, Delhi: 1989 Sarao, K. T. S., <i>Origin and Nature of Ancient Indian Buddhism</i> , 4 th revised edition, Taipei: CBBEF, 2004. Sarao, K.T.S., <i>Decline of Indian Buddhism: A new Perspective</i> , New Delhi: Munshiram Manoharlal, 2011. Conze, E., <i>A Short History of Buddhism</i> , 2 nd edition, London: Unwin Hyman, 1982.
2	संदर्भ-ग्रंथ	बौद्ध धर्म के पच्चीस सौ वर्ष हिंदी- संपा. बापट, पी. वी., प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली बौद्ध धर्म का सार- नरसु, पी. लक्ष्मी, बुद्धभूमि प्रकाशन, नागपुर प्राचीन भारतीय बौद्ध धर्म की उत्पत्ति, स्वरूप और पतन- सराओ, के. टी. एस., ताइपेई, ताइवान बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास- पाण्डे, गोविन्द चन्द्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ उत्तर प्रदेश में बौद्ध धर्म का विकास- दत्त, नलिनाक्ष और वाजपेयी, के. जी, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ बौद्ध दर्शन मीमांसा - उपाध्याय, बलदेव, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी. पालि साहित्य का इतिहास - उपाध्याय, भरत सिंह, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग सद्धम्मसंगहो (13 वीं शताब्दी तक का बौद्ध धर्म का संक्षिप्त इतिहास) - सिद्धार्थ, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3	ई-संसाधन	प्राचीन बौद्ध स्थलों पर बनी फ़िल्में और वृत्तिचित्र
4	अन्य	पुरातत्व बौद्ध स्थलों का भ्रमण करने सलाह

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. विभाग/केंद्र का नाम : बौद्ध अध्ययन
2. पाठ्यक्रम का नाम : बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर
3. पाठ्यक्रम कोड : एम्. बी. एस
4. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
(विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
बौद्ध अध्ययन का भारतीय विद्या में एक प्रमुख स्थान है। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना को इस रूप में बनाया गया है की विद्यार्थी प्राचीन भारतीय भाषा, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, इतिहास आदि समस्त ज्ञानानुशासनों का परिचय पा सके और भारतीय विद्या परम्परा में उसकी रूचि और गति हो सके।	बौद्ध अध्ययन के इस पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण विद्यार्थी में यह कौशल विकसित हो सकेगा कि वह सम्बद्ध ज्ञानानुशासन में नयी ज्ञान की रचना करने में कुशल हो सकेगा तथा परम्परागत ज्ञान और कौशल का शोध द्वारा विकास कर सकेगा। इसके अतिरिक्त ज्ञान का समाजोपयोगी संस्करण प्रस्तुत कर सकेगा अर्थात् ज्ञान का समाज और उसकी समस्याओं से संवाद स्थापित कर सकेगा। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना इस रूप में विशिष्ट है कि इसमें दक्ष विद्यार्थी अपने अंतर और बाह्य अर्थात् अपना जीवन और जगत के साथ कुशलता पूर्वक सामंजस्य स्थापित कर सकेगा।	बौद्ध अध्ययन के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण हुआ विद्यार्थी के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। साथ ही शोध के क्षेत्र में भी उसके लिए असीम संभावनाएं होती हैं। बौद्ध अध्ययन का प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थी के लिए समाज में व्यावसायिक रूप से परामर्शदाता के रूप में भी योग्य बनाता है।

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनुसार पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	MBS-01: पालि भाषा एवं व्याकरण = 4 क्रेडिट MBS 02 – पाली साहित्य का सामान्य परिचय = क्रेडिट 4	MBS 05: बुद्ध का जीवन एवं उनकी शिक्षाएं क्रेडिट 2 MBS 06 – बौद्ध संकर साहित्य का	22 क्रेडिट

	MBS 03 बौद्ध धम्म का इतिहास क्रेडिट 4 MBS 04 प्राथमिक बौद्ध दर्शन क्रेडिट 4	परिचय क्रेडिट 4	
दूसरा सेमेस्टर	MBS 07 चीनी भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 अथवा तिब्बती भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 MBS 08: महायान बौद्ध धर्म क्रेडिट 4 MBS-9 बौद्ध धर्म का सर्वेक्षण क्रेडिट 4 MBS-010: बौद्ध कला एवं स्थापत्य क्रेडिट 4	MBS-11 बौद्ध नीतिशास्त्र के आधार क्रेडिट 4 MBS-12 बौद्ध दर्शन और मनोविज्ञान का परिचय क्रेडिट 2	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	MBS-13: पालि सुत्त साहित्य क्रेडिट 4 MBS-14: पालि विनय साहित्य क्रेडिट 4 MBS-15: पालि अग्निधम्म साहित्य क्रेडिट 4 MBS-16: उत्तरकालीन पालि साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	MBS 17 पालि तिपिटक पद्य साहित्य क्रेडिट 4 MBS 18 वंस एवं पालि काव्य साहित्य क्रेडिट 4	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	MBS-19 : बौद्ध लिपिशास्त्र क्रेडिट-04 MBS-20 : बौद्ध धम्म में आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियों क्रेडिट 4 MBS-21 : बौद्ध दर्शन के विभिन्न संप्रदाय क्रेडिट 4 MBS 22 बौद्ध ज्ञानमीमांसा और न्यायशास्त्र	MBS-24: भारत एवं विदेशों में बौद्ध धम्म का प्रचार एवं प्रसार क्रेडिट 2 MBS 24 : बौद्ध धर्म के पुनर्जागरण में डॉ आंबेडकर का योगदान क्रेडिट 4	22 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	64 क्रेडिट	26 क्रेडिट	90 क्रेडिट

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।

- विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएँगे। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
- स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: प्रारंभिक बौद्ध दर्शन

2. पाठ्यचर्या का कोड: _MBS 04

3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: प्रथम _____

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	38
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	7
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: प्रस्तुत पाठ्यचर्या प्रारंभिक बौद्ध दर्शन का परिचयात्मक निदर्शन प्रस्तुत करती है। इसमें चार आर्य सत्य, आर्य अष्टांगिक मार्ग, प्रतीत्यसमुत्पाद, चित्त चैतसिक आदि मूल दार्शनिक प्रस्थानों के साथ साथ प्रारम्भिक बौद्ध दार्शनिक प्रस्थानों का परिचयात्मक ज्ञान आयर समझ अपेक्षित है

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: प्रस्तुत पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थी बौद्ध अध्ययन के सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्ष अर्थात् बौद्ध दर्शन के विभिन्न आयामों को जान सकेगा। साथ ही वह बौद्ध धर्म के विकास क्रम के मूल सूत्रों की भी पहचान कर सकेगा।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1 बौद्ध दर्शन	शीर्षक 1. चत्तारिअरियसच्चा नि, 2. अरियोअष्टांगिको मग्गो, 3. पटिच्चसमुत्पाद,	9	6	5	20	33.3

	4.तिलक्खण-दुव खवाद, अनत्तवाद, अनिच्चवाद, 5.अनीश्वरवाद, 6.ब्रह्मविहार, 7.चार परमत्थ (चित्त, चेतसिक, रूप, निब्बान), 8.बोधिसत्त्व व अर्हत का सिद्धांत, 9.बोधिसत्त्व भूमियाँ।					
मॉड्यूल-2 प्रारम्भिक दार्शनिक अवधारणायें	शीर्षक - 1. कर्म का सिद्धांत 2. पुनर्भव	7 + 6	5	2	20	33.3
मॉड्यूल-3 बौद्ध दार्शनिक सम्प्रदाय	शीर्षक - 1. थेरवाद 2. सर्वास्तिवाद 3. वैभाषिक 4. सौत्रान्तिक	4 + 4 + 4 + 4	4		20	33.3
योग					60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अध्यापक केन्द्रित तथा आगमनात्मक/निगमनात्मक
विधियाँ	व्याख्यान, वाद- संवाद
तकनीक	पूछताछ, अन्वेषण

उपादान	ब्लैक-बोर्ड, मोबाइल, लैपटॉप, प्रोजेक्टर एवं अन्य ऑडियो-विजुअल उपादान एवं अन्य संसाधन
--------	--

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सम्बंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतुहल पैदा करना	सम्बंधित विषय में सन्दर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ने के अध्ययन के विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	सम्बंधित विषय के आधार, अध्ययन, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना	विद्यार्थी सम्बंधित विषय के अध्ययन द्वारा समाज में सम्बंधित विषय में ज्ञान उत्पादन में अग्रसर होगा	सम्बंधित विषय में शोध और अनुसन्धान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में बहुरैषिक समन्वय स्थापित करेगा	सम्बंधित विषय में सरकारी एवं सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	सम्बंधित विषय में गैर सरकारी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। व. स्वयं की संस्था बनाकर समाज के लोगों के लिए काम करेगा

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

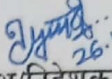
आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

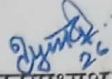
11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	विसुद्धिमग्गो – संपा – शास्त्री, स्वामी द्वारिका दास, बौद्ध भारती, वाराणसी अभिधर्मकोश – संपा. प्रधान, प्रह्लाद, के. पी. जायसवाल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पटना अभिधर्मकोश – संपा. शास्त्री, स्वामी द्वारिकादास, बौद्ध भारती, वाराणसी अधिधर्मकोश – हिन्दी अनु. आचार्य नरेन्द्रदेव, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
2	संदर्भ-ग्रंथ	बौद्ध दर्शन – सांकृत्यायन, राहुल, किताब महल इलाहाबाद बौद्ध धर्म का सार – नरसु. पी. लक्ष्मी, बुद्धभूमि प्रकाशन, नागपुर बौद्ध धर्म एक बुद्धिवादी अध्ययन – कौसल्यायन, भदंत आनन्द, बुद्धभूमि प्रकाशन, नागपुर बौद्ध-धर्म-दर्शन – देव, नरेन्द्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली. बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास – पाण्डेय, गोविन्द चन्द्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ बौद्ध दर्शन और अन्य भारतीय दर्शन – उपाध्याय, भरतसिंह, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली दर्शन-दिग्दर्शन – सांकृत्यायन, राहुल, किताब महल, इलाहाबाद बौद्ध दर्शन मीमांसा – उपाध्याय, बलदेव, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी भगवान बुद्ध-जीवन और दर्शन, कोसंबी, धर्मानन्द, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली Conze, E., <i>Buddhist Thought in India</i>, Delhi: 1996. Lokhande, Bhau: <i>Impact of Buddhism on Marathi saint Literature</i>: Puna: Sugawa Publication, 2014 Dutt, N., <i>Buddhist Sects in India</i>, Delhi: 1978.
3	ई-संसाधन	इन्टरनेट आर्काइव , पी.डी.ऍफ़.ड्राइव , जे.स्टोर , परियत्ती.कॉम , होली बुक्स आदि पर उपलब्ध सामग्री

4	अन्य	
---	------	--


 26.10.2022
 (विभागाध्यक्ष/निदेशक)


 26.10.2022
 (संकायाध्यक्ष)

1. पाठ्यचर्या का नाम: भगवान बुद्ध का जीवन और उनकी शिक्षायें

(Name of the Course) : Life and Teachings of the Buddha

2. पाठ्यचर्या का कोड: MBS-05

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 02 4. सेमेस्टर: प्रथम छमाही

(Credit)

(Semester): I st

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	05
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	01
कुल क्रेडिट घंटे	36

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): यह पाठ्यचर्या बौद्ध अध्ययन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसके बिना बौद्ध अध्ययन की पढ़ाई और भगवान बुद्ध का जीवन और उनकी शिक्षाएँ समझ नहीं आ सकती है।

- ### 6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी) : इस पाठ्यचर्या की पढ़ाई से छात्र बौद्ध अध्ययन को पढ़ने, समझने और स्वयं के अध्यवसाय से वह भगवान बुद्ध का जीवन और उनकी शिक्षायें को समझ सकेगा.

- ### 7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	बुद्ध का जीवन - प्रारंभिक जीवन अभिनिष्क्रमण एवं आर्यपर्येषणा सम्बोधि धर्मचक्रप्रवर्तन महापरिनिर्वाण	15	03	01	19	100 %
मॉड्यूल-2	बुद्ध की शिक्षाएं मध्यमाप्रतिपद चार आर्य सत्यए प्रतीत्यसमुत्पाद त्रि-लक्षण	15	02		17	100 %
योग		30	05	01	36	100 %

टिप्पणी:

1. माइयूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

- ### 8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	इससे छात्र भगवान बुद्ध का जीवन और उनकी शिक्षायें को समझ सकेगा. बौद्ध अध्ययन को पढ़ने के लिए यह एक महत्वपूर्ण विषय है.
-------	---

विधियाँ	कक्षा व्याख्यान के द्वारा आपसी संवाद एवं समूह परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी.
तकनीक	कक्षा व्याख्यान, पी.पी.टी., वृत्ति चित्र, इतिहास पढ़ने में अभिरुचि पैदा करना.
उपादान	पी.पी.टी., वृत्ति चित्र

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	इससे छात्र भगवान बुद्ध का जीवन और उनकी शिक्षायें समझेगा	इससे छात्र प्राचीन भारतीय इतिहास एवं बौद्ध धम्म के इतिहास को समझ सकेगा	पुरातत्व में रुचि पैदा होगी	प्राचीन भारतीय इतिहास एवं बौद्ध धम्म में रुचि	X	-	X	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	बौद्ध धर्म का सार – नरसु, पी. लक्ष्मी, बुद्धभूमि प्रकाशन, नागपुर बौद्ध धर्म एक बुद्धिवादी अध्ययन – कौसल्यायन, भदंत आनन्द, बुद्धभूमि प्रकाशन, नागपुर बौद्ध-धर्म-दर्शन – देव, नरेन्द्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली. बौद्ध दर्शन और अन्य भारतीय दर्शन – उपाध्याय, भरतसिंह, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली दर्शन-दिग्दर्शन – सांकृत्यायन, राहुल, किताब महल, इलाहाबाद भगवान बुद्ध-जीवन और दर्शन, कोसंबी, धर्मानन्द, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
2	संदर्भ-ग्रंथ	बौद्ध धर्म के पच्चीस सौ वर्ष हिंदी- संपा. वापट, पी. वी., प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली प्राचीन भारतीय बौद्ध धर्म की उत्पत्ति, स्वरूप और पतन- सराओ, के. टी. एस., ताइपेई, ताइवान बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास- पाण्डे, गोविन्द चन्द्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ उत्तर प्रदेश में बौद्ध धर्म का विकास- दत्त, नलिनाक्ष और वाजपेयी, के. जी, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ Conze, E., <i>Buddhist Thought in India</i>, Delhi: 1996. Walpol Rahul: <i>What the Buddha Taught</i>, Taipei, Taiwan Narada Thera: <i>The Buddha and His Teachings</i> Taipei, Taiwan Amedkar, B. R., <i>The Buddha and His Dhamma</i>, Sugat Book depot, Nagpur, 2010
3	ई-संसाधन	भगवान बुद्ध पर बनी फ़िल्में और वृत्तिचित्र
4	अन्य	भगवान बुद्ध से जुड़े स्थलों का भ्रमण करने सलाह

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Teaching Programme

1. विभाग/केंद्र का नाम : बौद्ध अध्ययन
2. पाठ्यक्रम का नाम : बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर
3. पाठ्यक्रम कोड : एम्. बी. एस
4. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
बौद्ध अध्ययन का भारतीय विद्या में एक प्रमुख स्थान है। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना को इस रूप में बनाया गया है कि विद्यार्थी प्राचीन भारतीय भाषा, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, इतिहास आदि समस्त ज्ञानानुशासनों का परिचय पा सके और भारतीय विद्या परम्परा में उसकी रूचि और गति हो सके।	बौद्ध अध्ययन के इस पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण विद्यार्थी में यह कौशल विकसित हो सकेगा कि वह सम्बद्ध ज्ञानानुशासन में नयी ज्ञान की रचना करने में कुशल हो तथा परम्परागत ज्ञान और कौशल का शोध द्वारा विकास कर सके। इसके अतिरिक्त ज्ञान का समाजोपयोगी संस्करण प्रस्तुत कर सके अर्थात् ज्ञान का समाज और उसकी समस्याओं से संवाद स्थापित कर सके। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना इस रूप में विशिष्ट है कि इसमें दक्ष विद्यार्थी अपने अंतर और बाह्य अर्थात् अपने जीवन और जगत के साथ कुशलता पूर्वक सामंजस्य स्थापित कर सकेगा।	बौद्ध अध्ययन के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण हुए विद्यार्थी के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। साथ ही शोध के क्षेत्र में भी उसके लिए असीम संभावनाएं होती हैं। बौद्ध अध्ययन का प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थी को समाज में व्यावसायिक रूप से परामर्शदाता के रूप में भी योग्य बनाता है।

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनु रूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	MBS-01: पालि भाषा एवं व्याकरण = 4 क्रेडिट MBS 02 – पाली साहित्य का सामान्य परिचय = क्रेडिट 4 MBS 03 बौद्ध धम्म का इतिहास क्रेडिट 4	MBS 05: बुद्ध का जीवन एवं उनकी शिक्षाएं क्रेडिट 2 MBS 06 – बौद्ध संकर साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	22 क्रेडिट

	MBS 04 प्रारंभिक बौद्ध दर्शन क्रेडिट 4		
दूसरा सेमेस्टर	MBS 07 चीनी भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 अथवा तिब्बती भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 MBS 08: महायान बौद्ध धर्म क्रेडिट 4 MBS-9 बौद्ध धर्म का सर्वेक्षण क्रेडिट 4 MBS-010: बौद्ध कला एवं स्थापत्य क्रेडिट 4	MBS-11 बौद्ध नीतिशास्त्र के आधार क्रेडिट 4 MBS-12 बौद्ध दर्शन और मनोविज्ञान का परिचय क्रेडिट 2	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	MBS-13 : पालि सुत्त साहित्य क्रेडिट 4 MBS-14 : पालि विनय साहित्य क्रेडिट 4 MBS-15 : पालि अभिधम्म साहित्य क्रेडिट 4 MBS-16 : उत्तरकालीन पालि साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	MBS 17 पालि तिपिटक पद्य साहित्य क्रेडिट 4 MBS 18 वंस एवं पालि काव्य साहित्य क्रेडिट 4	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	MBS-19 : बौद्ध लिपिशास्त्र क्रेडिट-04 MBS-20 : बौद्ध धम्म में आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियाँ क्रेडिट 4 MBS-21 : बौद्ध दर्शन के विभिन्न संप्रदाय क्रेडिट 4 MBS 22 बौद्ध ज्ञानमीमांसा और न्यायशास्त्र	MBS-24: भारत एवं विदेशों में बौद्ध धम्म का प्रचार एवं प्रसार क्रेडिट 4 MBS 24 : बौद्ध धर्म के पुनर्जागरण में डॉ आंबेडकर का योगदान क्रेडिट 4	22 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	64 क्रेडिट	26 क्रेडिट	90 क्रेडिट

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएँगे। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: बौद्ध संकर साहित्य का परिचय

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MBS 06

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04

(Credit)

4. सेमेस्टर: प्रथम

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	44
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: प्रस्तुत पाठ्यचर्या बौद्ध संकर संस्कृत का भाषा एवं साहित्य के रूप में परिचयात्मक रूपरेखा प्रस्तुत करता है। इसमें बौद्ध संकर संस्कृत का उद्भव एवं विकास मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषा में बौद्ध संकर संस्कृत का स्थान, वैपुल्य सूत्र साहित्य, प्रज्ञा पारमिता साहित्य एवं अश्वघोष साहित्य की विशेष अभिज्ञता अपेक्षित है

(Description of Course)

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: इस पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थी भारतीय आर्य भाषा परिवार की जानकारी हासिल कर बौद्ध संकर संस्कृत के उद्भव एवं विकास के बारे में बता सकेगा। इसके अतिरिक्त प्राचीन भारतीय साहित्य में अति विशिष्ट महायान सूत्र साहित्य से विस्तृत रूप से परिचित होए हुए एवं अश्वघोष साहित्य में पारंगत होते हुए वह इनका साहित्यिक सामाजिक, दार्शनिक और धार्मिक उपयोग कर सकेगा।

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1 बौद्ध संकर साहित्याका	शीर्षक 1. बौद्ध संकर साहित्याका उद्भव	8	4		12	20

उद्भव एवं विकास	एवं विकास					
मॉड्यूल-2 मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषा में पालि एवं बौद्ध संकर संस्कृत भाषा का स्थान	शीर्षक- मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषा में पालि एवं बौद्ध संकर संस्कृत भाषा का स्थान	8	4		12	20
मॉड्यूल-3 महायान वैपुल्य सूत्र साहित्य	शीर्षक - महायान वैपुल्य सूत्र साहित्य	8	4		12	20
मॉड्यूल-4 बौद्ध संकर संस्कृत साहित्य	शीर्षक - 1. वज्रच्छेदिका	8	4		12	20
मॉड्यूल-5 बौद्ध संस्कृत साहित्य	शीर्षक - 1. सौंदरानंद 2. बुद्धचरित 3. वज्रसूचि	4+4 4			12	20
योग					60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अध्यापक केन्द्रित/ विद्यार्थी केन्द्रित
विधियाँ	व्याख्यान एवं ग्रंथों का पाठ, वाचन एवं उनकी व्याख्या
तकनीक	निर्वचन, व्याख्या
उपादान	व्हाइट बोर्ड , प्रोजेक्टर , लैपटॉप एवं अन्य तकनीक

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सम्बंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	सम्बंधित विषय में सन्दर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	सम्बंधित विषय के आध्यान, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना	विद्यार्थी सम्बंधित विषय के अध्ययन द्वारा समाज में सम्बंधित विषय में ज्ञान उत्पादन में अग्रसर होगा	सम्बंधित विषय में शोध और अनुसन्धान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	सम्बंधित विषय में सरकारी एवं सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	सम्बंधित विषय में सरकारी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। वः स्वयं की संस्था बनाकर समाज के लोगों के लिए काम करेगा

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)	मौखिकी (20%)
------------------------	--------------

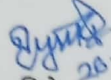
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	वज्रच्छेदिका प्रज्ञापारमिता – अनु. संघसेन सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली सौंदरानंद – अनु. सूर्य नारायण चौधरी, मोती लाल बनारसी दस, दिल्ली बुद्ध चरित – अनुवादक सूर्य नारायण चौधरी, मोती लाल बनारसी दस, दिल्ली वज्र सूचि – आचार्य नागार्जुन, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	Dutta, Nalinaksha (1930). <i>Aspects of Mahayan Buddhism and Its Relation to Hinyan Buddhism</i>. London: Luzac & Co. Kimura, Ryukan (1978). <i>A Historical Study of the terms Hinyana and Mahayan and the Origin of Mahayan Buddhism</i>. Delhi: Indological Book Corporation Nakamura, Hazime (2007). <i>Indian Buddhism, A Survey with Bibliographical Notes</i>. Delhi: Motilal Banarsidass Pande, Govind Chandra (1995). <i>Studies in Mahayana</i>. Sarnath: Central University of Tibetan Studies पाण्डे, गोविन्द चन्द्र. 1990. <i>बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास</i>. लखनऊ: उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान
3	ई-संसाधन	इन्टरनेट आर्काइव, पी.डी.ऍफ़.ड्राइव, जे.स्टोर, परियत्ती.कॉम, होली बुक्स आदि पर उपलब्ध

		સામગ્રી
4	અન્ય	


 26.10.2020
 (વિભાગાધ્યક્ષ/નિદેશક)


 26.10.2020
 (સંકાયાધ્યક્ષ)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणतः हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण Teaching	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme) ❖ डिप्लोमा कार्यक्रम (Diploma Programme) ❖ सर्टिफिकेट कार्यक्रम (Certificate Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) Training (if any)	
शोध Research	विभाग द्वारा चिह्नित विशेषीकृत शोध-क्षेत्र (Research Areas specified by the Department)
	पी-एच.डी. कार्यक्रम (Ph.D. Programme)
	शोध-परियोजना (Research Project)
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

1. पाठ्यचर्या का नाम: तिब्बती भाषा एवं धर्म

(Name of the Course) : (Tibetan Language & Religion)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MBS-07

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04

(Credit)

4. सेमेस्टर: द्वितीय छमाही

(Semester) – II nd

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	02
कुल क्रेडिट घंटे	72

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): तिब्बती भाषा एवं धर्म की यह पाठ्यचर्या बौद्ध अध्ययन की पाठ्यचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बिना बौद्ध अध्ययन की पढ़ाई और समझ नहीं आ सकती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी) : तिब्बती भाषा एवं धर्म की इस पाठ्यचर्या की पढ़ाई से छात्र बौद्ध अध्ययन को पढ़ने, समझने और स्वयं के अध्यवसाय से वह प्राचीन भारतीय इतिहास और तिब्बती इतिहास को समझ सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	तिब्बती भाषा- (अ) तिब्बती भाषा व व्याकरण (ब) तिब्बती से हिन्दी और हिन्दी से तिब्बती अनुवाद।	30	06	02	38	100 %
मॉड्यूल-2	तिब्बती बौद्ध धर्म -- हिमालयीन क्षेत्रों में बौद्ध धर्म का प्रवेश और विस्तार (क) तिब्बत, मंगोलिया, मध्य एशिया, भूटान। (ख) लद्दाख, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश।	20	02		22	100 %
मॉड्यूल-3	तिब्बती बौद्ध संप्रदाय एवं उसके विविध आयाम- निग्मा-पा, कांग्यु-पा, साक्या-पा, गेलुग-पा, लामावाद।	10	02		12	100 %

योग	60	10	02	72	100 %
-----	----	----	----	----	-------

टिप्पणी:

1. माइयूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	इससे छात्र तिब्बती भाषा एवं धर्म के साथ प्राचीन भारतीय एवं बौद्ध इतिहास को समझ सकेगा. बौद्ध अध्ययन को पढ़ने के लिए यह एक महत्वपूर्ण विषय है.
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान के द्वारा आपसी संवाद एवं समूह परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी.
तकनीक	कक्षा व्याख्यान, पी.पी.टी., इतिहास पढ़ने में अभिरुचि पैदा करना.
उपादान	पी.पी.टी.

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	इससे छात्र तिब्बती भाषा एवं धर्म के इतिहास को समझ सकेगा.	इससे छात्र प्राचीन भारतीय इतिहास एवं बौद्ध धम्म को समझेगा.	प्राचीन तिब्बती इतिहास एवं बौद्ध धम्म में रुचि	वर्तमान तिब्बती इतिहास एवं बौद्ध धम्म में रुचि	X	-	X	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
विधायित्व अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	भोट व्याकरण - अंगरूप, के., केलोंग भोट साहित्य प्रकाशन, 1964 Tulku Dondub, <i>bod skad slob deb (Tibbati Pathamala)</i>, Sarnath: CIHTS, 1976. Csoma de Koros, <i>A Grammar of the Tibetan Language</i>, Calcutta: 1834. Jaschke, H. A., <i>Tibetan Grammar</i>, New York: 1974. Angrup K., <i>Sambhota Vyakarana</i>, Keylong: Bhot Sahitya Prakashan, 1964. Dutt, N., <i>Early Monastic Buddhism</i>, 2 Vols, Calcutta: 1943 Nakamura, H., <i>Indian Buddhism: A Survey with Bibliographical Notes</i>, reprint, Delhi: 1989
2	संदर्भ-ग्रंथ	तिब्बत में बौद्ध धर्म - सांक्रुत्यायन, राहुल, किताब महल, इलाहाबाद बौद्ध धर्म के पच्चीस वर्ष लौ वर्ष : संपादक बापट, पी. वी., प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, दिल्ली <i>Tibetan Grammar - Lahuli</i>, K. Angrup, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ तिब्बतन स्टडीज, सारनाथ।
3	ई-संसाधन	प्राचीन तिब्बती बौद्ध स्थलों, उनकी संस्कृति और परम पावन दलाई लामा पर बनी फ़िल्में और वृत्तिचित्र
4	अन्य	तिब्बत देश और तिब्बती बौद्ध स्थलों, धर्मशाला का भ्रमण करने और परम पावन दलाई लामा से मिलने सलाह.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Teaching Programme

1. विभाग/केंद्र का नाम : बौद्ध अध्ययन
2. पाठ्यक्रम का नाम : बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर
3. पाठ्यक्रम कोड : एम्. बी. एस
4. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
(विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
बौद्ध अध्ययन का भारतीय विद्या में एक प्रमुख स्थान है। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना को इस रूप में बनाया गया है की विद्यार्थी प्राचीन भारतीय भाषा, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, इतिहास आदि समस्त ज्ञानानुशासनों का परिचय पा सके और भारतीय विद्या परम्परा में उसकी रूचि और गति हो सके।	बौद्ध अध्ययन के इस पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण विद्यार्थी में यह कौशल विकसित हो सकेगा कि वह सम्बद्ध ज्ञानानुशासन में नयी ज्ञान की रचना करने में कुशल हो सकेगा तथा परम्परागत ज्ञान और कौशल का शोध द्वारा विकास कर सकेगा। इसके अतिरिक्त ज्ञान का समाजोपयोगी संस्करण प्रस्तुत कर सकेगा अर्थात् ज्ञान का समाज और उसकी समस्याओं से संवाद स्थापित कर सकेगा। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना इस रूप में विशिष्ट है कि इसमें दक्ष विद्यार्थी अपने अंतर और बाह्य अर्थात् अपना जीवन और जगत के साथ कुशलता पूर्वक सामंजस्य स्थापित कर सकेगा।	बौद्ध अध्ययन के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण हुआ विद्यार्थी के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। साथ ही शोध के क्षेत्र में भी उसके लिए असीम संभावनाएं होती हैं। बौद्ध अध्ययन का प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थी के लिए समाज में व्यावसायिक रूप से परामर्शदाता के रूप में भी योग्य बनाता है।

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनुसार पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	MBS-01: पालि भाषा एवं व्याकरण = 4 क्रेडिट MBS 02 – पाली साहित्य का सामान्य परिचय = क्रेडिट 4	MBS 05: बुद्ध का जीवन एवं उनकी शिक्षाएं क्रेडिट 2 MBS 06 – बौद्ध संकर साहित्य का	22 क्रेडिट

	MBS 03 बौद्ध धम्म का इतिहास क्रेडिट 4 MBS 04 प्राथमिक बौद्ध दर्शन क्रेडिट 4	परिचय क्रेडिट 4	
दूसरा सेमेस्टर	MBS 07 चीनी भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 अथवा तिब्बती भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 MBS 08: महायान बौद्ध धर्म क्रेडिट 4 MBS-9 बौद्ध धर्म का सर्वेक्षण क्रेडिट 4 MBS-010: बौद्ध कला एवं स्थापत्य क्रेडिट 4	MBS-11 बौद्ध नीतिशास्त्र के आधार क्रेडिट 4 MBS-12 बौद्ध दर्शन और मनोविज्ञान का परिचय क्रेडिट 2	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	MBS-13 : पालि सूत्र साहित्य क्रेडिट 4 MBS-14 : पालि विनय साहित्य क्रेडिट 4 MBS-15 : पालि अभिधम्म साहित्य क्रेडिट 4 MBS-16 : उत्तरकालीन पालि साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	MBS 17 पालि लिपिक पद्य साहित्य क्रेडिट 4 MBS 18 वंस एवं पालि काव्य साहित्य क्रेडिट 4	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	MBS-19 : बौद्ध लिपिशास्त्र क्रेडिट-04 MBS-20 : बौद्ध धम्म में आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियों क्रेडिट 4 MBS-21 : बौद्ध दर्शन के विभिन्न संप्रदाय क्रेडिट 4 MBS 22 बौद्ध ज्ञानमीमांसा और न्यायशास्त्र	MBS-24: भारत एवं विदेशों में बौद्ध धम्म का प्रचार एवं प्रसार क्रेडिट 2 MBS 24 : बौद्ध धर्म के पुनर्जागरण में डॉ आर्बेडकर का योगदान क्रेडिट 4	22 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	64 क्रेडिट	26 क्रेडिट	90 क्रेडिट

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।

- विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएँ। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
- स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

- पाठ्यचर्या का नाम: महायान बौद्ध धर्म
- पाठ्यचर्या का कोड: MBS 08
- क्रेडिट: 4
- सेमेस्टर: द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: _____ प्रस्तुत पाठ्यचर्या महायान बौद्ध धर्म के उद्भव और प्रकृति से सम्बंधित है। यह महायान बौद्ध धर्म के प्रादुर्भाव के ऐतिहासिक एवं दार्शनिक पृष्ठभूमि का विस्तार से परिचय कराते हुए बुद्धत्व की अवधारणा, चित्तमात्रता, शून्यवाद का दर्शन, त्रिकायवाद, बोधिसत्त्व का आदर्श, आदि का तथा महायान बौद्ध धर्म के सम्प्रदायों, साहित्य और उस की भाषा को विस्तृत रूप से समझने का अवसर प्रदान करती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____ इस पठ्यक्रम से विद्यार्थी महायान बौद्ध धर्म के मूल सिद्धांतों, अवधारणाओं, सम्प्रदायों तथा उनके सम्दार्षा और साहित्य को. और उस साहित्य की भाषा का व्यापक रूप से ज्ञान प्राप्त कर सकेगें।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
1. महायान बौद्ध धर्म का उद्भव एवं उसकी प्रकृति	1. प्रादुर्भाव - ऐतिहासिक एवं दार्शनिक पृष्ठभूमि 2. 'महायान' पद का अभिप्राय 3. त्रिविध यान और महायान 4. महायान बौद्ध धर्म की	20			20	33.3%

	अभिन और प्रमुख विचारणा					
मॉड्यूल-2 महायान बौद्ध धर्म के मूल सिद्धांत और अवधारणाएँ	1. बुद्धत्व की अवधारणा 2. बोधिसत्व का अवतार 3. त्रिपिकायावाद 4. चित्तमात्रता एवं शून्यता का दर्शन 5. पापविनाश एवं पुण्य 6. मरुत के सिद्धांत 7. प्रज्ञा और करुणा का दर्शन	20			20	33.3%
मॉड्यूल-3 महायान बौद्ध धर्म के सम्प्रदाय एवं उनकी साहित्य	1. महायान बौद्ध धर्म के सम्प्रदाय 2. महायान बौद्ध साहित्य की भाषा 3. महायान सूत्र साहित्य 4. महायान शास्त्र ग्रन्थ	20			20	33.3%
मॉड्यूल-4						
मॉड्यूल-5						
योग					60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अध्यापक केन्द्रित
विधियाँ	व्याख्यान
तकनीक	संवाद

उपादान	कक्षागत/ऑनलाइन
--------	----------------

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सम्बंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	सम्बंधित विषय में सन्दर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	सम्बंधित विषय के आध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना	विद्यार्थी सम्बंधित विषय के अध्ययन द्वारा समाज में सम्बंधित विषय में ज्ञान उत्पादन में अग्रसर होगा	सम्बंधित विषय में शोध और अनुसन्धान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	सम्बंधित विषय में सरकारी एवं सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	सम्बंधित विषय में गैर सरकारी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। व: स्वयं की संस्था बनाकर समाज के लोगों के लिए काम करेगा

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	पाण्डे, गोविन्द चन्द्र. 1990. <i>बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास</i>. लखनऊ: उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान McGovern, W. M. (1922). <i>An Introduction to Mahayana Buddhism</i>. London: Kegan Paul Suzuki, D. T. (1927). <i>Outline of Mahayan Buddhism</i>. London: Luzac & Co. उपाध्याय, बलदेव ;1999. <i>बौद्ध दर्शन मीमांसा</i>. वाराणसी : चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान देव, आचार्य नरेन्द्र ;2013 <i>बौद्ध धर्म दर्शन</i>. नई दिल्ली : मोतीलाल बनारसीद Edgerton, Franklin (1998). <i>Buddhist Hybrid Sanskrit Grammar and Dictionary</i>. Vol. I and II. New Delhi: Motilal Banarsidass Nakamura, Hazime (2007). <i>Indian Buddhism, A Survey with Bibliographical Notes</i>. Delhi: Motilal Banarsidass Warder, A. K. (1970). <i>Indian Buddhism</i>. Delhi: Motilal Banarsidass त्रिपाठी, रामशंकर ;1997. <i>बौद्ध दर्शन प्रस्थान</i>. सारनाथ : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान
2	संदर्भ-ग्रंथ	Dutta, Nalinaksha (1930). <i>Aspects of Mahayan Buddhism and Its Relation to Hinyan Buddhism</i>. London: Luzac & Co.

		Kimura, Ryukan (1978). <i>A Historical Study of the terms Hinyana and Mahayan and the Origin of Mahayan Buddhism</i>. Delhi: Indological Book Corporation Nakamura, Hazime (2007). <i>Indian Buddhism, A Survey with Bibliographical Notes</i>. Delhi: Motilal Banarsidass Pande, Govind Chandra (1995). <i>Studies in Mahayana</i>. Sarnath: Central University of
3	ई-संसाधन	इन्टरनेट आर्काइव , पी.डी.ऍफ़.ड्राइव , जे.स्टोर , परियत्ती.कॉम , होली बुक्स आदि पर उपलब्ध सामग्री
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)
26.10.2020

(संकायाध्यक्ष)
26.10.2020

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. विभाग/केंद्र का नाम : बौद्ध अध्ययन
2. पाठ्यक्रम का नाम : बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर
3. पाठ्यक्रम कोड : एम्. बी. एस
4. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
(विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
बौद्ध अध्ययन का भारतीय विद्या में एक प्रमुख स्थान है। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना को इस रूप में बनाया गया है की विद्यार्थी प्राचीन भारतीय भाषा , साहित्य , व्याकरण , दर्शन , इतिहास आदि समस्त ज्ञानानुशासनों का परिचय पा सके और भारतीय विद्या परम्परा में उसकी रूचि और गति हो सके।	बोध अध्ययन के इस पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण विद्यार्थी में यह कौशल विकसित हो सकेगा कि वह सम्बद्ध ज्ञानानुशासन में नयी ज्ञान की रचना करने में कुशल हो सकेगा तथा परम्परागत ज्ञान और कौशल का शोध द्वारा विकास कर सकेगा। इसके अतिरिक्त ज्ञान का समाजोपयोगी संस्करण प्रस्तुत कर सकेगा अर्थात ज्ञान का समाज और उसकी समस्याओं से संवाद स्थापित कर सकेगा। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना इस रूप में विशिष्ट है कि इसमें दक्ष विद्यार्थी अपने अंतर और बाह्य अर्थात अपना जीवन और जगत के साथ कुशलता पूर्वक सामंजस्य स्थापित कर सकेगा।	बौद्ध अध्ययन के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण हुए विद्यार्थी के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। साथ ही शोध के क्षेत्र में भी उसके लिए असीम संभावनाएं होती हैं। बौद्ध अध्ययन का प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थी के लिए समाज में व्यावसायिक रूप से परामर्शदाता के रूप में भी योग्य बनाता है।

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनु रूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	MBS-01: पालि भाषा एवं व्याकरण = 4 क्रेडिट MBS 02 – पाली साहित्य का सामान्य परिचय = क्रेडिट 4	MBS 05: बुद्ध का जीवन एवं उनकी शिक्षाएं क्रेडिट 2 MBS 06 – बौद्ध संकर साहित्य का	22 क्रेडिट

	MBS 03 बौद्ध धम्म का इतिहास क्रेडिट 4 MBS 04 प्रारंभिक बौद्ध दर्शन क्रेडिट 4	परिचय क्रेडिट 4	
दूसरा सेमेस्टर	MBS 07 चीनी भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 अथवा तिब्बती भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 MBS 08: महायान बौद्ध धर्म क्रेडिट 4 MBS-9 बौद्ध धर्म का सर्वेक्षण क्रेडिट 4 MBS-010: बौद्ध कला एवं स्थापत्य क्रेडिट 4	MBS-11 बौद्ध नीतिशास्त्र के आधार क्रेडिट 4 MBS-12 बौद्ध दर्शन और मनोविज्ञान का परिचय क्रेडिट 2	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	MBS-13 : पालि सुत्त साहित्य क्रेडिट 4 MBS-14 : पालि विनय साहित्य क्रेडिट 4 MBS-15 : पालि अभिधम्म साहित्य क्रेडिट 4 MBS-16 : उत्तरकालीन पालि साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	MBS 17 पालि तिपिटक पद्य साहित्य क्रेडिट 4 MBS 18 वंस एवं पालि काव्य साहित्य क्रेडिट 4	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	MBS-19 : बौद्ध लिपिशास्त्र क्रेडिट-04 MBS-20 : बौद्ध धम्म में आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियाँ क्रेडिट 4 MBS-21 : बौद्ध दर्शन के विभिन्न संप्रदाय क्रेडिट 4 MBS 22 बौद्ध ज्ञानमीमांसा और न्यायशास्त्र	MBS-24: भारत एवं विदेशों में बौद्ध धम्म का प्रचार एवं प्रसार क्रेडिट 2 MBS 24 : बौद्ध धर्म के पुनर्जागरण में डॉ आंबेडकर का योगदान क्रेडिट 4	22 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	64 क्रेडिट	26 क्रेडिट	90 क्रेडिट

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।

2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएँ। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: बौद्ध धर्म का सर्वेक्षण
2. पाठ्यचर्या का कोड: MBS09

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

3. क्रेडिट: 4
4. सेमेस्टर: द्वितीय

5. पाठ्यचर्या विवरण: यह पाठ्यचर्या बौद्ध धर्म के व्यापक सर्वेक्षण से संबंधित है। इस पाठ्यचर्या में बौद्ध धर्म और शासन, बौद्ध धर्म और प्रजातंत्र, बौद्ध धर्म का राज्य संस्था के प्रति दृष्टिकोण आदि तथा बौद्ध धर्म से सम्बंधित अन्यान्य पक्ष समाहित है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी बौद्ध धर्म का राजनीतिक एवं आर्थिक व्यवस्था के परस्पर सम्बन्ध तथा बौद्ध के अन्य अनेक पक्षों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेगा। यह पाठ्यचर्या भारत से बहार बौद्ध धर्म के विकास और प्रचार प्रसार के साथ उसके अंतर्वस्तु को भी विद्यार्थी को सरलतम रूप से रख सकेगा। इसके माध्यम से विद्यार्थी को बौद्ध धर्म के उदारवादी, वैज्ञानिक और आदर्श स्वरूप की समझ विकसित हो सकेगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1 बौद्ध धर्म: स्थानीय सम्बन्ध और राष्ट्रीय समन्वय	1. शासन और बौद्ध धर्म 2. बौद्ध धर्म और प्रजातंत्र 3. बौद्ध धर्म का राज्य संस्था के प्रति दृष्टिकोण	20	10		30	50

	4. बौद्ध अर्थव्यवस्था 5. बौद्ध धर्म और पूर्व एशिया में स्थानीय परस्परता 6. बौद्ध धर्म का दक्षिण पूर्व एशिया में राष्ट्रीय समन्वय 7. बौद्ध संस्कृति और एशिया : प्रभाव एवं अनुप्रयोग					
मॉड्यूल-2 परम्परा एवं परिवर्तन	1. सम्राट अशोक के काल तक बौद्ध धर्म का विकास 2. बौद्ध धर्म का विस्तार 3. तिब्बत, चीन, कोरिया और जापान में बौद्ध धर्म 4. महायान बौद्ध धर्म का उदय 5. बौद्ध ज्ञानमीमांसा और न्याय 6. तंत्रयान और वज्रयान	20	10		30	50
मॉड्यूल-3						
मॉड्यूल-4						
मॉड्यूल-5--						
योग						

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अध्यापक केन्द्रित/ आगमनात्मक/निगमनात्मक	
-------	---	--

विधियाँ	व्याख्यान	
तकनीक	संवाद	
उपादान	कक्षागत/ऑनलाइन	

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सम्बंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	सम्बंधित विषय में सन्दर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	सम्बंधित विषय के आध्यान, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना	विद्यार्थी सम्बंधित विषय के अध्ययन द्वारा समाज में सम्बंधित विषय में ज्ञान उत्पादन में अग्रसर होगा	सम्बंधित विषय में शोध और अनुसन्धान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	सम्बंधित विषय में सरकारी एवं सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	सम्बंधित विषय में गैर सरकारी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। व: स्वयं की संस्था बनाकर समाज के लोगों के लिए काम करेगा

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	दीघनिकाय (खण्ड 1) संपा. काश्यप, जगदीश, नवनालंदा महाविहार, नालंदा दीघनिकाय – संपा. एवं अनु. शास्त्री, स्वामी द्वारिकादास, बौद्ध भारती प्रकाशन, वाराणसी दीघनिकाय – अनु. सांकृत्यायन, राहुल, भारतीय बौद्ध महासभा, लखनऊ मज्झिमनिकाय : संपा. काश्यप, जगदीश, नवनालंदा महाविहार, नालंदा मज्झिमनिकाय : संपा. शास्त्री, स्वामी द्वारिकादास, बौद्ध भारती प्रकाशन, वाराणसी मज्झिमनिकाय : अनु. सांकृत्यायन राहुल, भारतीय बौद्ध शिक्षा परिषद, वाराणसी विनयपिटक : शास्त्री, स्वामी द्वारिकादास, बौद्ध भारती, वाराणसी विनयपिटक : अनु. सांकृत्यायन, राहुल, संपा. सिंह, प्रियसेन, सम्यक प्रकाशन, नई दिल्ली महावंस : संपा. उपासक, सी. एस., नालन्दा संस्करण. महावंस : अनु. कौसल्यायन, भदन्त आनन्द, बुद्धभूमि प्रकाशन, नागपूर
2	संदर्भ-ग्रंथ	तिब्बत में बौद्ध धर्म – सांकृत्यायन, राहुल, किताब महल, इलाहाबाद बौद्ध संस्कृति : सांकृत्यायन, राहुल, कौशल्य प्रकाशन, औरंगाबाद Bapat, P.V. (Ed.), 2500 Years of Buddhism, Publication Division Govt. of India New Delhi: 1956

		Dutt, N., <i>Early Monastic Buddhism</i>, 2 Vols, Calcutta: 1943 Nakamura, H., <i>Indian Buddhism: A Survey with Bibliographical Notes</i>, reprint, Delhi: 1989 Dutta, Nalinaksha (1930). <i>Aspects of Mahayan Buddhism and Its Relation to Hinyan</i> Warder, A. K. (1970). <i>Indian Buddhism</i>. Delhi: Motilal Banarsidass Bagchi, P.C., <i>India and China</i>, Calcutta : 1981. Zurcher, E., <i>The Buddhist Conquest of China</i>, Leiden: 1959. Adikaram, E. W. , <i>Early History of Buddhism in Ceylon or "State of Buddhism in Ceylon as Revealed by the Pāli Commentaries of the 5th Century AD,"</i> Colombo: 1946. Hazra, K.L., <i>History of Theravada Buddhism in South-East Asia</i>, Delhi: 1982. Zurcher, E., <i>The Buddhist Conquest of China</i>, Leiden: 1959. Kenneth K.S. Ch'en, <i>Buddhism in China: A Historical Survey</i>, Princeton: 1964.
3	ई-संसाधन	इन्टरनेट आर्काइव , पी.डी.ऍफ़.ड्राइव , जे.स्टोर , परियत्ती.कॉम , होली बुक्स आदि पर उपलब्ध सामग्री
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

1. पाठ्यचर्या का नाम: बौद्ध नीतिशास्त्र के मूल आधार
(Name of the Course) :

Foundations of Buddhist Ethics

2. पाठ्यचर्या का कोड: MBS-11
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 02 4. सेमेस्टर: द्वितीय छमाही
(Credit) (Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	05
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	01
कुल क्रेडिट घंटे	36

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): यह पाठ्यचर्या बौद्ध अध्ययन की पाठ्यचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बिना बौद्ध नीतिशास्त्र की पढ़ाई और समझ नहीं आ सकती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी) : बौद्ध नीतिशास्त्र की इस पाठ्यचर्या की पढ़ाई से छात्र बौद्ध अध्ययन को पढ़ने, समझने और स्वयं के अध्यवसाय से वह प्राचीन भारतीय संस्कृति और मुख्य नीतिशास्त्र को समझ सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	शील, समाधि और प्रज्ञा - बौद्ध नीतिशास्त्र का मूल आधार	10	01	01	11	100 %
मॉड्यूल-2	चार आर्य सत्य, आर्य अष्टांगिक मार्ग	10	01		11	100 %
मॉड्यूल-3	कर्म का सिद्धांत, बोधिपक्षिय धर्म, करुणा और अहिंसा का नैतिक सिद्धांत, ब्रह्म विहार	10	03	01	13	100 %
योग		30	05	02	36	100 %

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	इससे छात्र प्राचीन भारतीय नीतिशास्त्र को समझ सकेगा, बौद्ध अध्ययन को पढ़ने के लिए यह एक महत्वपूर्ण विषय है।
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान के द्वारा आपसी संवाद एवं समूह परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी।
तकनीक	कक्षा व्याख्यान, पी.पी.टी., इतिहास पढ़ने में अभिरुचि पैदा करना।
उपादान	पी.पी.टी.

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	इससे छात्र प्राचीन भारतीय बौद्ध नीतिशास्त्र के इतिहास को समझ सकेगा।	बौद्ध नीतिशास्त्र में रूचि पैदा होगी	शील, समाधि के रास्ते पर चलेगा	दया करुणा और अहिंसा के भाव पैदा होंगे	छात्र संवेग हेतु समाधि का अभ्यास और विपश्यना करना सीखेगा।	-	X	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	विनयपिटक : शास्त्री, स्वामी द्वारिकादास, बौद्ध भारती, वाराणसी विनयपिटक : सांकृत्यायन, राहुल, संपा. सिंह, प्रियसेन, सम्यक प्रकाशन, नई दिल्ली धम्मपद – संपा., कौसल्यायन, भदन्त आनन्द, दीक्षाभूमि, नागपुर धम्मपद – संपा., संघसेन, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
2	संदर्भ-ग्रंथ	बौद्ध धर्म एक बुद्धिवादी अध्ययन – कौसल्यायन, भदन्त आनन्द, बुद्धभूमि प्रकाशन, नागपुर बौद्ध-धर्म-दर्शन – देव, नरेन्द्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली. दर्शन-दिग्दर्शन – सांकृत्यायन, राहुल, किताब महल, इलाहाबाद बौद्ध धर्म का सार– नरसु, पी. लक्ष्मी, बुद्धभूमि प्रकाशन, नागपुर बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास– पाण्डे, गोविन्द चन्द्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ ज्ञानादित्य शाक्य, ब्रह्म विहार भावना, रिलाइवल पब्लिकेशन, अहमदाबाद, २०१४ Ambedkar, B.R., <i>The Buddha and His Dhamma</i> , Sugat Book Depot, Nagpur, 2010 Nakamura, H., <i>Indian Buddhism: A Survey with Bibliographical Notes</i> , reprint, Delhi: 1989 Conze, E., <i>Buddhist Thought in India</i> , Delhi: 1996. Walpol Rahul: <i>What the Buddha Taught</i> , Taipei, Taiwan Narada Thera: <i>The Buddha and His Teachings</i> Taipei, Taiwan
3	ई-संसाधन	भगवान बौद्ध पर बनी फ़िल्में और वृत्तिचित्र.
4	अन्य	संवेग हेतु समाधि का अभ्यास और विपश्यना करें. साथ ही निर्वेद हेतु पुरातत्व बौद्ध स्थलों का भ्रमण करने सलाह.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. विभाग/केंद्र का नाम : बौद्ध अध्ययन
2. पाठ्यक्रम का नाम : बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर
3. पाठ्यक्रम कोड : ____ एम्. बी. एस ____
4. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
(विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
बौद्ध अध्ययन का भारतीय विद्या में एक प्रमुख स्थान है। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना को इस रूप में बनाया गया है की विद्यार्थी प्राचीन भारतीय भाषा , साहित्य , व्याकरण , दर्शन , इतिहास आदि समस्त ज्ञानानुशासनों का परिचय पा सके और भारतीय विद्या परम्परा में उसकी रूचि और गति हो सके।	बौद्ध अध्ययन के इस पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण विद्यार्थी में यह कौशल विकसित हो सकेगा कि वह सम्बद्ध ज्ञानानुशासन में नयी ज्ञान की रचना करने में कुशल हो सकेगा तथा परम्परागत ज्ञान और कौशल का शोध द्वारा विकास कर सकेगा। इसके अतिरिक्त ज्ञान का समाजोपयोगी संस्करण प्रस्तुत कर सकेगा अर्थात ज्ञान का समाज और उसकी समस्याओं से संवाद स्थापित कर सकेगा। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना इस रूप में विशिष्ट है कि इसमें दक्ष विद्यार्थी अपने अंतर और बाह्य अर्थात अपना जीवन और जगत के साथ कुशलता पूर्वक सामंजस्य स्थापित कर सकेगा।	बौद्ध अध्ययन के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण हुआ विद्यार्थी के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। साथ ही शोध के क्षेत्र में भी उसके लिए असीम संभावनाएं होती हैं। बौद्ध अध्ययन का प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थी के लिए समाज में व्यावसायिक रूप से परामर्शदाता के रूप में भी योग्य बनाता है।

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनु रूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)

- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	MBS-01: पालि भाषा एवं व्याकरण = 4 क्रेडिट MBS 02 – पाली साहित्य का सामान्य परिचय = क्रेडिट 4 MBS 03 बौद्ध धम्म का इतिहास क्रेडिट 4 MBS 04 प्रारंभिक बौद्ध दर्शन क्रेडिट 4	MBS 05: बुद्ध का जीवन एवं उनकी शिक्षाएं क्रेडिट 2 MBS 06 – बौद्ध संस्कार साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	22 क्रेडिट
दूसरा सेमेस्टर	MBS 07 चीनी भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 अथवा तिब्बती भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 MBS 08: महायान बौद्ध धर्म क्रेडिट 4 MBS-9 बौद्ध धर्म का सर्वेक्षण क्रेडिट 4 MBS-010: बौद्ध कला एवं स्थापत्य क्रेडिट 4	MBS-11 बौद्ध नीतिशास्त्र के आधार क्रेडिट 4 MBS-12 बौद्ध दर्शन और मनोविज्ञान का परिचय क्रेडिट 2	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	MBS-13: पालि सुत्त साहित्य क्रेडिट 4 MBS-14: पालि विनय साहित्य क्रेडिट 4 MBS-15: पालि अग्निधम्म साहित्य क्रेडिट 4 MBS-16: उत्तरकालीन पालि साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	MBS 17 पालि तिपिटक पद्य साहित्य क्रेडिट 4 MBS 18 बंस एवं पालि काव्य साहित्य क्रेडिट 4	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	MBS-19 : बौद्ध लिपिशास्त्र क्रेडिट-04 MBS-20 : बौद्ध धम्म में आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियाँ क्रेडिट 4 MBS-21 : बौद्ध दर्शन के विभिन्न संप्रदाय क्रेडिट 4	MBS-24: भारत एवं विदेशों में बौद्ध धम्म का प्रचार एवं प्रसार क्रेडिट 2 MBS 24 : बौद्ध धर्म के पुनर्जागरण में डॉ आर्बेडकर का योगदान क्रेडिट 4	22 क्रेडिट

	MBS 22 बौद्ध ज्ञानमीमांसा और व्याख्यान		
कुल क्रेडिट	64 क्रेडिट	26 क्रेडिट	90 क्रेडिट

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएँ। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: बौद्ध दर्शन और मनोविज्ञान का परिचय

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: एम.बी.एस.1
2

(Code of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

3. क्रेडिट: 2
4. सेमेस्टर: द्वितीय

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण: प्रस्तुत पाठ्यचर्या में बौद्ध दर्शन के आधारभूत सिद्धांतों और अवधारणाओं का परिचय होगा। साथ ही बौद्ध मनोविज्ञान के मूल उपादान तत्त्वों के बारे में विस्तृत परिचय भी इस पाठ्यचर्या में उपलब्ध और निहित होगा।

(Description of Course)

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: इस पाठ्यचर्या के द्वारा विद्यार्थी सौत्रान्तिक, वैभाषिक, योगाचार और माध्यमिक आदि सम्प्रदायों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए संज्ञान, ज्ञान के सिद्धांत, चित्त और चैतसिक आदि के बारे में जान सकेगा।

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1 1. बौद्ध दर्शन का परिचय	1. सौत्रान्तिक 2. वैभाषिक 3. योगाचार 4. माध्यमिक	30			30	50
मॉड्यूल-2 मनोविज्ञान का परिचय	1. जन्ति का सिद्धांत, 2. चित्त-चैतन्य	30			30	50
मॉड्यूल-3						
मॉड्यूल-4						
मॉड्यूल-5--						
योग					60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अध्यापक केन्द्रित
विधियाँ	व्याख्यान
तकनीक	संवाद
उपादान	कक्षागत/ऑनलाइन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा विद्योहित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सम्बंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	सम्बंधित विषय में सन्दर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	सम्बंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना	विद्यार्थी सम्बंधित विषय के अध्ययन द्वारा समाज में सम्बंधित विषय में ज्ञान उत्पादन में अग्रसर होगा	सम्बंधित विषय में शोध और अनुसन्धान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	सम्बंधित विषय में सरकारी एवं क्षेत्र में गैर सरकारी के अवसर मिलेंगे	सम्बंधित विषय में सरकारी क्षेत्र में भी गैर सरकारी के अवसर मिलेंगे। व. स्वयं की समस्या बनाकर समाज के लोगों के लिए काम करेगा

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%
--------------------------	-----	-----	-----

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	विसुद्धिमग्नो – संपा – शास्त्री, स्वामी द्वारिका दास, बौद्ध भारती, वाराणसी अभिधर्मकोश – संपा. प्रधान, प्रह्लाद, के. पी. जायसवाल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पटना अभिधर्मकोश – संपा. शास्त्री, स्वामी द्वारिकादास, बौद्ध भारती, वाराणसी अभिधर्मकोश – हिन्दी अनु. आचार्य नरेन्द्रदेव, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद माध्यमिककारिका – वैद्य, पी. एल., मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, दरभंगा विज्ञप्तिमात्रतासिद्धि – संपा. तिवारी, महेश – चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	पांडे, गोविंद चंद्र, बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ: 1990 त्रिपाठी, रामशंकर, बौद्ध दर्शन प्रस्थान, केंद्रीय बौद्ध तिब्बती संस्थान, सारनाथ, 2014 देव, आचार्य नरेन्द्र, बौद्ध धर्म दर्शन, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली: 2007
3	ई-संसाधन	इन्टरनेट आर्काइव , पी.डी.ऍफ़.ड्राइव , जे.स्टोर , परियत्ती.कॉम , होली बुक्स आदि पर उपलब्ध सामग्री
4	अन्य	


 26.10.2020
 (विभागाध्यक्ष/निदेशक)


 26.10.2020
 (संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

(MBS-14)

3. क्रेडिट: 04
(Credit)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): पालि सुत्त साहित्य की यह पाठ्यचर्या बौद्ध अध्ययन की पाठ्यचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसके बिना बौद्ध अध्ययन की पढ़ाई और समझ नहीं आ सकती है.

- (विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अधीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी) : इस पाठ्यचर्या की पढ़ाई से छात्र बौद्ध अध्ययन को पढ़ने, समझने और स्वयं के अध्ययनसाथ से वह प्राचीन पालि सुत्त साहित्य के गद्य और पद्य साहित्य को समझ सकेंगा.

- ### 7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

1 | Page

टिप्पणी:

1. माइयूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	इससे छात्र प्राचीन बौद्ध सुत्त साहित्य के इतिहास और प्रमुख सुत्तों को समझ सकेगा। बौद्ध अध्ययन को पढ़ने के लिए यह एक महत्वपूर्ण विषय है।
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान के द्वारा आपसी संवाद एवं समूह परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी।
तकनीक	कक्षा व्याख्यान, पी.पी.टी., इतिहास पढ़ने में अभिरुचि पैदा करना।
उपादान	पी.पी.टी.

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	इससे छात्र बौद्ध सुत्तों को समझेगा	पालि सुत्त साहित्य में रुचि पैदा होगी	बौद्ध धम्म के सुत्त साहित्य को पढ़ने में रुचि जाग्रत करना	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	दीर्घनिकाय (खण्ड 1) संपा. काश्यप, जगदीश, नवनालंदा महाविहार, नालंदा दीर्घनिकाय – अनु. सांकृत्यायन, राहुल, भारतीय बौद्ध महासभा, लखनऊ मज्झिमनिकाय : संपा. काश्यप, जगदीश, नवनालंदा महाविहार, नालंदा मज्झिमनिकाय : अनु. सांकृत्यायन राहुल, भारतीय बौद्ध शिक्षा परिषद, श्रावस्ती धम्मपद – संपा., कौसल्यायन, भदन्त आनन्द, दीक्षामूर्ति, नागपूर सुत्तनिपातो – संपा., धम्मरतन, महाबोधि सोसाइटी, सारनाथ, वाराणसी सुत्तनिपातो – संपा., भिक्षु धर्मरक्षित, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2	संदर्भ-ग्रंथ	दीर्घनिकाय – संपा. एवं अनु. शास्त्री, स्वामी द्वारिकादास, बौद्ध भारती प्रकाशन, वाराणसी मज्झिमनिकाय : संपा. शास्त्री, स्वामी द्वारिकादास, बौद्ध भारती प्रकाशन, वाराणसी धम्मपद – संपा., संघसेन, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
3	ई-संसाधन	पालि सुत्तों के शुद्ध उच्चारण हेतु बौद्धों सुत्तों बने वीडियो
4	अन्य	और वृत्तिचित्र देखने की सलाह.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Teaching Programme

1. विभाग/केंद्र का नाम : बौद्ध अध्ययन
2. पाठ्यक्रम का नाम : बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर
3. पाठ्यक्रम कोड : एम्. बी. एस.
4. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
 (विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
बौद्ध अध्ययन का भारतीय विद्या में एक प्रमुख स्थान है। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना को इस रूप में बनाया गया है कि विद्यार्थी प्राचीन भारतीय भाषा, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, इतिहास आदि समस्त ज्ञानानुशासनों का परिचय पा सके और भारतीय विद्या परम्परा में उसकी रूचि और गति हो सके।	बौद्ध अध्ययन के इस पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण विद्यार्थी में यह कौशल विकसित हो सकेगा कि वह सम्बद्ध ज्ञानानुशासन में नयी ज्ञान की रचना करने में कुशल हो सकेगा तथा परम्परागत ज्ञान और कौशल का शोध द्वारा विकास कर सकेगा। इसके अतिरिक्त ज्ञान का समाजोपयोगी संस्करण प्रस्तुत कर सकेगा अर्थात् ज्ञान का समाज और उसकी समस्याओं से संवाद स्थापित कर सकेगा। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना इस रूप में विशिष्ट है कि इसमें दक्ष विद्यार्थी अपने अंतर और बाह्य अर्थात् अपना जीवन और जगत के साथ कुशलता पूर्वक सामंजस्य स्थापित कर सकेगा।	बौद्ध अध्ययन के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण हुआ विद्यार्थी के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। साथ ही शोध के क्षेत्र में भी उसके लिए असीम संभावनाएं होती हैं। बौद्ध अध्ययन का प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थी के लिए समाज में व्यावसायिक रूप से परामर्शदाता के रूप में भी योग्य बनाता है।

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)

- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनुसार पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	MBS-01: पालि भाषा एवं व्याकरण = 4 क्रेडिट MBS-02 – पाली साहित्य का सामान्य परिचय = क्रेडिट 4 MBS-03 बौद्ध धम्म का इतिहास क्रेडिट 4 MBS-04 प्रारंभिक बौद्ध दर्शन क्रेडिट 4	MBS-05: बुद्ध का जीवन एवं उनकी शिक्षाएं क्रेडिट 2 MBS-06 – बौद्ध संकर साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	22 क्रेडिट
दूसरा सेमेस्टर	MBS-07 चीनी भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 अथवा तिब्बती भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 MBS-08: महायान बौद्ध धर्म क्रेडिट 4 MBS- 9 बौद्ध धर्म का सर्वेक्षण क्रेडिट 4 MBS-010: बौद्ध कला एवं स्थापत्य क्रेडिट 4	MBS-11 बौद्ध नीतिशास्त्र के आधार क्रेडिट 4 MBS-12 बौद्ध दर्शन और मनोविज्ञान का परिचय क्रेडिट 2	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	MBS-13: पालि सुत्त साहित्य क्रेडिट 4 MBS-14: पालि विनय साहित्य क्रेडिट 4 MBS-15: पालि अभिधम्म साहित्य क्रेडिट 4 MBS-16: उत्तरकालीन पालि साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	MBS-17 पालि तिपिटक पद्य साहित्य क्रेडिट 4 MBS-18 वंस एवं पालि काव्य साहित्य क्रेडिट 4	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	MBS-19 : बौद्ध लिपिशास्त्र क्रेडिट-04 MBS-20 : बौद्ध धम्म में आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियाँ क्रेडिट 4 MBS-21 : बौद्ध दर्शन के विभिन्न संप्रदाय क्रेडिट 4 MBS-22 बौद्ध ज्ञानमीमांसा और	MBS-24: भारत एवं विदेशों में बौद्ध धम्म का प्रचार एवं प्रसार क्रेडिट 2 MBS-24 : बौद्ध धर्म के पुनर्जागरण में डॉ आंबेडकर का योगदान क्रेडिट 4	22 क्रेडिट

	पाठ्यक्रम		
कुल क्रेडिट	64 क्रेडिट	26 क्रेडिट	90 क्रेडिट

दिखायी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएं उपलब्ध कराएंगे। ये पाठ्यचर्याएं 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: पालि विनय साहित्य

2. पाठ्यचर्या का कोड: एम.बी.एस. 14

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: _____ प्रस्तुत पाठ्यचर्या के अंतर्गत विनय पिटक का परिचय एवं महत्त्व, विनय पीटक के विभिन्न वर्ग और नियम, यथा महावर्ग, चुल्लवर्ग, पात्तिमोक्ख, तथा सुत्तपिटक, अभिधम्मपिटक का सामान्य परिचय निहित है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _ पाठ्यचर्या द्वारा विद्यार्थी बौद्ध अध्ययन के आधारभूत सामग्री में से एक अर्थात् विनय साहित्य का सामान्य परिचय पा सकेगा। यह पाठ्यचर्या पालि साहित्य के सामान्य परिचय के साथ-साथ विद्यार्थी को तिपिटक का विशेष ज्ञान दे सकेगा जिसके द्वारा उसका बौद्ध अध्ययन एवं सम्बद्ध ज्ञानानुशासनों में रूचि व गति हो सकेगी।

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		

				(Interaction/ Training/ Laboratory)		share to the Course)
मॉड्यूल-1 विनय पिटक परिचय एवं महत्त्व	विनय पिटक का परिचय और महत्त्व	4			4	7
मॉड्यूल-2 महावग्ग	1. बोधिकथा 2. धम्मचक्कपवत्त नसुत्त 3. यसपबज्जा 4. सारिपुत्तमोग्गलान पबज्जा	20			20	33
मॉड्यूल-3 चुल्लवग्ग	1. पञ्चसत्तिस्कंधक 2. सप्तसत्तिस्कंधक	12			12	20
मॉड्यूल-4 पातिमोक्ख	1. पाराजिका धम्मा 2. संघादिसेसा 3. अधिकरणसमथ	12			12	20
मॉड्यूल-5— भिक्षुनी पातिमोक्ख	1. पाराजिका धम्मा 2. संघादिसेसा 3. अधिकरणसमथ	12			12	20
योग					60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अध्यापक केन्द्रित	
विधियाँ	व्याख्यान	

तकनीक	संवाद	
उपादान	कक्षागत/ऑनलाइन	

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सम्बन्धित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	सम्बन्धित विषय में सन्दर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ने के अध्ववसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्तरेण पैदा करना	सम्बन्धित विषय के आध्यान, अध्ववसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना	विद्यार्थी सम्बन्धित विषय के अध्वयन द्वारा समाज में सम्बन्धित विषय में ज्ञान उत्पादन में अग्रसर होगा	सम्बन्धित विषय में शोध और अनुसन्धान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	सम्बन्धित विषय में सरकारी एवं सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	सम्बन्धित विषय में गैर सरकारी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। व. स्वयं की संस्था बनाकर समाज के लोगों के लिए काम करेगा

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार *	सत्रीय-पत्र #	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			संश्लेषिका (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	महावगी संपादक जगदीश काश्यप, नालंदा संस्करण चुल्लवगी : संपादक जगदीश काश्यप विनय पिटक: शास्त्री, द्वारिकादास, बौद्ध भारती, वाराणसी।
2	संदर्भ-ग्रंथ	पालि साहित्य का इतिहास – उपाध्याय, भरत सिंह, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग पालि साहित्य का इतिहास – विशु धर्मरक्षित, ज्ञानमंडल प्रकाशन, वाराणसी पालि साहित्य का इतिहास – सांकृत्यायन, राहुल, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ पालि निबन्धावलि : शुक्ल, हरिशंकर, तारा प्रकाशन, वाराणसी
3	ई-संसाधन	इन्टरनेट आर्काइव , पी.डी.एफ. ड्राइव , जे.स्टोर , परियत्ती.कॉम , होली बुक्स आदि पर उपलब्ध सामग्री
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

1. पाठ्यचर्या का नाम: पालि अभिधम्म साहित्य
(Name of the Course): (Pāli Abhidhamma Literature)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MBS-16
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: तृतीय छमाही
(Credit) (Semester): III rd

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	02
कुल क्रेडिट घंटे	72

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): पालि अभिधम्म साहित्य का यह पाठ्यचर्या बौद्ध अध्ययन की पाठ्यचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बिना बौद्ध अध्ययन की पढ़ाई और पालि अभिधम्म साहित्य समझ नहीं आ सकता है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी) : इस पाठ्यचर्या की पढ़ाई से छात्र बौद्ध अध्ययन को पढ़ने, समझने और स्वयं के अध्यवसाय से वह अभिधम्म साहित्य को समझ सकेगा। क्योंकि अभिधम्म भगवान् बुद्ध के उपदेशों का महत्वपूर्ण भाग है।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	अभिधम्मपिटक का परिचय एवं महत्व	15	02	01	18	100 %
मॉड्यूल-2	धम्मसंगणि- तिक मातिका	15	02		17	100 %
मॉड्यूल-3	अभिधम्मत्थसंगहो- अध्याय 1, 2 एवं 6	15	04		19	100 %
मॉड्यूल-4	अट्टसालिनी-निदान कथा- बुद्ध की जन्म कथा तक	15	02	01	18	100 %
योग		60	10	02	72	100 %

टिप्पणी:

- माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	इससे छात्र पालि अभिधम्म साहित्य को समझ सकेगा. बौद्ध अध्ययन को पढ़ने के लिए यह एक महत्वपूर्ण विषय है.
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान के द्वारा आपसी संवाद एवं समूह परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी.
तकनीक	कक्षा व्याख्यान, पी.पी.टी., इतिहास पढ़ने में अभिरुचि पैदा करना.
उपादान	पी.पी.टी.

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	इससे छात्र पालि अभिधम्म साहित्य एवं बौद्ध धम्म दर्शन के इतिहास को समझ सकेगा.	अभिधम्म दर्शन में रुचि पैदा होगी	बौद्ध धम्म दर्शन के गूढ़ विषयों में रुचि	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%
-----------------------	-----	-----	-----

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	अभिधम्मसंगहि: संपा. जगदीश, नवनालन्दा महाविहार, नालन्दा अभिधम्मत्थसंगहो: संपा. एवं अनु. कौसल्यायन, भदन्त आनन्द, दीक्षामूर्ति प्रकाशन, नागपुर अभिधम्मत्थसंगहो (नवनीत टीका सहित): धर्मानन्द कोसाम्बी, महाबोधि सोसायटी, सारनाथ
2	संदर्भ-ग्रंथ	अड्डसालिनी: संपा. बापट, पी. वी., नवनालन्दा महाविहार, नालन्दा अभिधम्मत्थसंगहो: संपा. एवं अनु. रामशंकर त्रिपाठी, रेवत धम्मो, संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय Abhidhamma Philosophy: Kashyap, J., Maha Bodhi Society, Sarnath, Varansasi.
3	ई-संसाधन	बौद्ध दर्शन के कई विषयों पर बनी वृत्तिचित्र एवं व्याख्यान.
4	अन्य	पुरातत्व बौद्ध स्थलों का भ्रमण करने सलाह

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायध्यक्ष)

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Teaching Programme

1. विभाग/केंद्र का नाम : बौद्ध अध्ययन
2. पाठ्यक्रम का नाम : बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर
3. पाठ्यक्रम कोड : एम्. बी. एस
4. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
 (विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
बौद्ध अध्ययन का भारतीय विद्या में एक प्रमुख स्थान है। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना को इस रूप में बनाया गया है की विद्यार्थी प्राचीन भारतीय भाषा, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, इतिहास आदि समस्त ज्ञानानुशासनों का परिचय पा सके और भारतीय विद्या परम्परा में उसकी रूचि और गति हो सके।	बौद्ध अध्ययन के इस पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण विद्यार्थी में यह कौशल विकसित हो सकेगा कि वह सम्बद्ध ज्ञानानुशासन में नयी ज्ञान की रचना करने में कुशल हो सकेगा तथा परम्परागत ज्ञान और कौशल का शोध द्वारा विकास कर सकेगा। इसके अतिरिक्त ज्ञान का समाजोपयोगी संस्करण प्रस्तुत कर सकेगा अर्थात् ज्ञान का समाज और उसकी समस्याओं से संवाद स्थापित कर सकेगा। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना इस रूप में विशिष्ट है कि इसमें दक्ष विद्यार्थी अपने अंतर और बाह्य अर्थात् अपना जीवन और जगत के साथ कुशलता पूर्वक सामंजस्य स्थापित कर सकेगा।	बौद्ध अध्ययन के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण हुआ विद्यार्थी के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। साथ ही शोध के क्षेत्र में भी उसके लिए असीम संभावनाएं होती हैं। बौद्ध अध्ययन का प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थी के लिए समाज में व्यावसायिक रूप से परामर्शदाता के रूप में भी योग्य बनाता है।

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनु रूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)

- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	MBS-01: पालि भाषा एवं व्याकरण = 4 क्रेडिट MBS 02 – पाली साहित्य का सामान्य परिचय = क्रेडिट 4 MBS 03 बौद्ध धम्म का इतिहास क्रेडिट 4 MBS 04 प्रारंभिक बौद्ध दर्शन क्रेडिट 4	MBS 05: बुद्ध का जीवन एवं उनकी शिक्षाएं क्रेडिट 2 MBS 06 – बौद्ध संस्कार साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	22 क्रेडिट
दूसरा सेमेस्टर	MBS 07 चीनी भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 अथवा तिब्बती भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 MBS 08: महायान बौद्ध धर्म क्रेडिट 4 MBS-9 बौद्ध धर्म का सर्वेक्षण क्रेडिट 4 MBS-010: बौद्ध कला एवं स्थापत्य क्रेडिट 4	MBS-11 बौद्ध नीतिशास्त्र के आधार क्रेडिट 4 MBS-12 बौद्ध दर्शन और मनोविज्ञान का परिचय क्रेडिट 2	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	MBS-13: पालि सुत्त साहित्य क्रेडिट 4 MBS-14: पालि विनय साहित्य क्रेडिट 4 MBS-15: पालि अभिधम्म साहित्य क्रेडिट 4 MBS-16: उत्तरकालीन पालि साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	MBS 17 पालि तिपिटक पद्य साहित्य क्रेडिट 4 MBS 18 वंस एवं पालि काव्य साहित्य क्रेडिट 4	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	MBS-19 : बौद्ध लिपिशास्त्र क्रेडिट-04 MBS-20 : बौद्ध धम्म में आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियाँ क्रेडिट 4 MBS-21 : बौद्ध दर्शन के विभिन्न संप्रदाय क्रेडिट 4	MBS-24: भारत एवं विदेशों में बौद्ध धम्म का प्रचार एवं प्रसार क्रेडिट 2 MBS 24 : बौद्ध धर्म के पुनर्जागरण में डॉ आंबेडकर का योगदान क्रेडिट 4	22 क्रेडिट

	MBS 22 बौद्ध ज्ञानमीमांसा और न्यायशास्त्र		
कुल क्रेडिट	64 क्रेडिट	26 क्रेडिट	90 क्रेडिट

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएँगे। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: उत्तरकालीन पालि साहित्य का परिचय

2. पाठ्यचर्या का कोड: MBS 16

3. क्रेडिट: 4
4. सेमेस्टर: तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: _____ प्रस्तुत पाठ्यचर्या के अंतर्गत उत्तरकालीन पालि साहित्य का परिचय एवं महत्त्व, तथा विभिन्न ग्रंथों यथा, महावंस, जातकनिदानकथा, तथा जिनचरित, महाबुद्धवत्थु का सामान्य परिचय निहित है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____ पाठ्यचर्या द्वारा विद्यार्थी बौद्ध अध्ययन के आधारभूत सामग्री अर्थात् पालि साहित्य का उत्तरवर्ती विकास के स्वरूप का परिचय पा सकेगा। यह पाठ्यचर्या पालि साहित्य के सामान्य परिचय के साथ साथ विद्यार्थी को पालि साहित्य के एक विशेष पक्ष अर्थात् काव्य साहित्य का ज्ञान दे सकेगा जिसके द्वारा उसका बौद्ध अध्ययन एवं सम्बद्ध ज्ञानानुशासनों में रुचि व गति हो सकेगी _____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/		

				Training/ Laboratory)		share to the Course)
मॉड्यूल-1 महावंस	1.प्रथम, तृतीय, चतुर्थ, पंचम	15			15	25
मॉड्यूल-2 जातकनिदान कथा	1.बुद्ध की जन्मा कथा तक	15			15	25
मॉड्यूल-3 जिनचरित	प्रथम 34 गाथाएं	15			15	25
मॉड्यूल-4	महाबुद्धवत्थु	15			15	25
मॉड्यूल-5--						
योग					60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अध्यापक केन्द्रित
विधियाँ	व्याख्यान
तकनीक	संवाद
उपादान	कक्षागत/ऑनलाइन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सम्बंधित विषय में विज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	सम्बंधित विषय में सन्दर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति	सम्बंधित विषय के आध्यान, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को	विद्यार्थी सम्बंधित विषय के अध्ययन द्वारा समाज में सम्बंधित विषय में ज्ञान	सम्बंधित विषय में शोध और अनुसन्धान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक	सम्बंधित विषय में सरकारी एवं सरकारी क्षेत्र में रोजगार के	सम्बंधित विषय में गैर सरकारी क्षेत्र में भी रोजगार के

			आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	प्रवीण एवं पारंगत बनाना	उत्पादन में अग्रसर होगा	क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	अग्रसर मिलेगा	अग्रसर मिलेगा व स्वयं की संस्था बनाकर समाज के लोगों के लिए काम करेगा

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
----------	---------------	----------------------------

1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	महावंस : संपा. उपासक, सी. एस., नालन्दा संस्करण. महावंस : अनु. कौसल्यायन, भदन्त आनन्द, बुद्धभूमि प्रकाशन, नागपूर जातकनिदानकथा : संपा. एवं अनु. कौसल्यायन, भदन्त आनन्द, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग जिनचरित : संपा. एवं अनु. सिंह, सिद्धार्थ, पिलग्रिम्स पब्लिसिंग हाउस, वाराणसी महाबुद्धवत्थु : भरतसिंह उपाध्याय, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली
2	संदर्भ-ग्रंथ	बौद्ध धर्म के पच्चीस सौ वर्ष हिंदी- संपा. बापट, पी. वी., प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास- पाण्डे, गोविन्द चन्द्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ उत्तर प्रदेश में बौद्ध धर्म का विकास- दत्त, नलिनाक्ष और वाजपेयी, के. जी, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ बौद्ध दर्शन मीमांसा - उपाध्याय, बलदेव, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी. पालि साहित्य का इतिहास - उपाध्याय, भरत सिंह, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
3	ई-संसाधन	इन्टरनेट आर्काइव , पी.डी.ऍफ़.ड्राइव , जे.स्टोर , परियत्ती.कॉम , होली बुक्स आदि पर उपलब्ध सामग्री
4	अन्य	


 26.10.2020
 (विभागाध्यक्ष/निदेशक)


 26.10.2020
 (संकायाध्यक्ष)

1. पाठ्यचर्या का नाम: पालि तिपिटक पद्य साहित्य
(Name of the Course) : (Pāli Tipitaka Poetry Literature)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MBS-18
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: तृतीय छमाही
(Credit) (Semester): III rd

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	02
कुल क्रेडिट घंटे	72

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): पालि तिपिटक पद्य साहित्य यह पाठ्यचर्या बौद्ध अध्ययन की पाठ्यचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बिना बौद्ध अध्ययन की पढ़ाई और समझ नहीं आ सकती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी) : इस पाठ्यचर्या की पढ़ाई से छात्र बौद्ध अध्ययन को पढ़ने, समझने और स्वयं के अध्यवसाय से वह पालि तिपिटक पद्य साहित्य को समझ सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	धम्मपद - पापवग्ग, दण्डवग्ग	15	02		17	100 %
मॉड्यूल-2	सुत्तनिपात - महामंगल सुत्त, पब्बज्जा सुत्त	10	02		12	100 %
मॉड्यूल-3	थेरगाथा - आनंदथेर, अंगुलिमालथेर, सुनीतथेर, उपालिथेर	05	02		07	100 %
मॉड्यूल-4	थेरीगाथा - अम्बपालीथेरी, पटाचाराथेरी, महापजापतिथेरी, किसागोतमीथेरी	15	02	01	18	100 %
मॉड्यूल-5	जातक- सुसन्धि जातक-360, दसरथ जातक-461	15	02	01	18	100 %
योग		60	10	02	72	100 %

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	इससे छात्र प्राचीन भारतीय बौद्ध साहित्य के महान व्यक्तित्व वाले लोगों के जीवन चरित्र व इतिहास को समझ सकेगा. बौद्ध अध्ययन को पढ़ने के लिए यह एक महत्वपूर्ण विषय है.
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान के द्वारा आपसी संवाद एवं समूह परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी.
तकनीक	कक्षा व्याख्यान, पी.पी.टी., इतिहास पढ़ने में अभिरुचि पैदा करना.
उपादान	पी.पी.टी.

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	इससे छात्र बौद्ध साहित्य के महान लोगों के जीवन वृत्त और उनके इतिहास को समझ सकेगा.	इससे छात्र बौद्ध साहित्य में वर्णित जीवन वृत्त में रुचि पैदा होगी	थेर गाथा और थेरी गाथा के साथ जातक कथाओं में रुचि	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

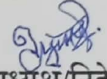
ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

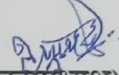
आंतरिक मूल्यांकन (80%)			पौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	पालि साहित्य का इतिहास – उपाध्याय, भरत सिंह, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग पालि साहित्य का इतिहास – भिक्षु धर्मरक्षित, ज्ञानमंडल प्रकाशन, वाराणसी पालि साहित्य का इतिहास – साकृत्यायन, राहुल, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
2	संदर्भ-ग्रंथ	धम्मपद – संपादक, कौसल्यायन, भदन्त आनन्द, दीक्षाभूमि, नागपूर धम्मपद – संपादक, संघसेन, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली सुत्तनिपातो – संपादक, धम्मरतन, महाबोधि सोसाइटी, सारनाथ, वाराणसी सुत्तनिपातो – संपादक, भिक्षु धर्मरक्षित, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली थेरीगाथा – भरतसिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग थेरीगाथा – अनु. स्वामी द्वारिकादास शास्त्री, बौद्ध भारती प्रकाशन, वाराणसी थेरीगाथा – अनु. स्वामी द्वारिकादास शास्त्री, बौद्ध भारती प्रकाशन, वाराणसी थेरीगाथा – भरतसिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग जातक – संपादक, कौसल्यायन, भदन्त आनन्द, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
3	ई-संसाधन	प्राचीन बौद्ध स्थलों पर बनी फ़िल्में और वृत्तिचित्र
4	अन्य	पुरातत्व बौद्ध स्थलों का भ्रमण करने सलाह


(विभागाध्यक्ष/निदेशक)


(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. विभाग/केंद्र का नाम : बौद्ध अध्ययन
2. पाठ्यक्रम का नाम : बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर
3. पाठ्यक्रम कोड : एम्. बी. एस. _____
4. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
(विभाग प्रात्येक पाठ्यक्रम के अधीन परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
बौद्ध अध्ययन का भारतीय विद्या में एक प्रमुख स्थान है। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना को इस रूप में बनाया गया है की विद्यार्थी प्राचीन भारतीय भाषा, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, इतिहास आदि समस्त ज्ञानानुशासनों का परिचय पा सके और भारतीय विद्या परम्परा में उसकी रुचि और गति हो सके।	बौद्ध अध्ययन के इस पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण विद्यार्थी में यह कौशल विकसित हो सकेगा कि वह सम्बद्ध ज्ञानानुशासन में नयी ज्ञान की रचना करने में कुशल हो सकेगा तथा परम्परागत ज्ञान और कौशल का शोध द्वारा विकास कर सकेगा। इसके अतिरिक्त ज्ञान का समाजोपयोगी संस्करण प्रस्तुत कर सकेगा अर्थात् ज्ञान का समाज और उसकी समस्याओं से संबद्ध स्थापित कर सकेगा। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना इस रूप में विशिष्ट है कि इसमें दक्ष विद्यार्थी अपने अंतर और बाह्य अर्थात् अपना जीवन और जगत के साथ कुशलता पूर्वक सामंजस्य स्थापित कर सकेगा।	बौद्ध अध्ययन के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण हुआ विद्यार्थी के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। साथ ही शोध के क्षेत्र में भी उसके लिए असीम संभावनाएं होती हैं। बौद्ध अध्ययन का प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थी के लिए समाज में व्यावसायिक रूप से परामर्शदाता के रूप में भी योग्य बनाता है।

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनुसार पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	MBS-01: पालि भाषा एवं व्याकरण = 4 क्रेडिट MBS 02 – पाली साहित्य का सामान्य परिचय = क्रेडिट 4	MBS 05: बुद्ध का जीवन एवं उनकी शिक्षाएं क्रेडिट 2 MBS 06 – बौद्ध संकर साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	22 क्रेडिट

	MBS 03 बौद्ध धम्म का इतिहास क्रेडिट 4 MBS 04 प्रारंभिक बौद्ध दर्शन क्रेडिट 4		
दूसरा सेमेस्टर	MBS 07 चीनी भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 अथवा तिब्बती भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 MBS 08: महायान बौद्ध धर्म क्रेडिट 4 MBS-9 बौद्ध धर्म का सर्वेक्षण क्रेडिट 4 MBS-010: बौद्ध कला एवं स्थापत्य क्रेडिट 4	MBS-11 बौद्ध नीतिशास्त्र के आधार क्रेडिट 4 MBS-12 बौद्ध दर्शन और मनोविज्ञान का परिचय क्रेडिट 2	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	MBS-13: पालि सुत्त साहित्य क्रेडिट 4 MBS-14: पालि विनय साहित्य क्रेडिट 4 MBS-15: पालि अभिधम्म साहित्य क्रेडिट 4 MBS-16: उत्तरकालीन पालि साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	MBS 17 पालि त्रिपिटक पद्य साहित्य क्रेडिट 4 MBS 18 वंस एवं पालि काव्य साहित्य क्रेडिट 4	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	MBS-19 : बौद्ध लिपिशास्त्र क्रेडिट-04 MBS-20 : बौद्ध धम्म में आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियाँ क्रेडिट 4 MBS-21 : बौद्ध दर्शन के विभिन्न संप्रदाय क्रेडिट 4 MBS 22 बौद्ध ज्ञानमीमांसा और न्यायशास्त्र	MBS-24: भारत एवं विदेशों में बौद्ध धम्म का प्रचार एवं प्रसार क्रेडिट 2 MBS 24 : बौद्ध धर्म के पुनर्जागरण में डॉ आंबेडकर का योगदान क्रेडिट 4	22 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	64 क्रेडिट	26 क्रेडिट	90 क्रेडिट

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।

2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएँ। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: वंस एवं पालि साहित्य का सामान्य परिचय

2. पाठ्यचर्या का कोड: _MBS 18

3. क्रेडिट: 2

4. सेमेस्टर: तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: प्रस्तुत पाठ्यचर्या के अंतर्गत वंस साहित्य का परिचय, वंस साहित्य यथा दीपवंस, महावंस, सासनवंस, दाठावंस तथा अनागतवंस का सामान्य परिचय निहित है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: पाठ्यचर्या द्वारा विद्यार्थी बौद्ध अध्ययन के आधारभूत सामग्री अर्थात पालि साहित्य का सामान्य परिचय पा सकेगा। यह पाठ्यचर्या पाली साहित्य के सामान्य परिचय के साथ-साथ विद्यार्थी को वंस साहित्य का विशेष ज्ञान दे सकेगा जिसके द्वारा उसका बौद्ध अध्ययन एवं सम्बद्ध ज्ञानानुशासनों में रुचि व गति हो सकेगी।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1 वंस साहित्य का परिचय	शीर्षक – 1. वंस साहित्य का सामान्य परिचय	10	×	संवाद-05	15	25 %

मॉड्यूल-2 वंस साहित्य	1. दीपवंस 2. महावंस 3. सरावंस, 4. राठावंस तथा 5. अनागतवंस	10	*	संवाद -05	15	25 %
मॉड्यूल-3 पालि साहित्य का सामान्य परिचय	1. पालि साहित्य का सामान्य परिचय	10	x	संवाद-05	15	25%
मॉड्यूल-4 काव्य साहित्य	1. अभिधम्मत्थसं गहो 2. जिनालंकार 3. तेलकटाहगाथा 4. जिन चरित 5. सद्धम्मसंगहो 6. पुष्पफंजलि	10	x	संवाद-05	15	25%
योग					60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अध्यापक केन्द्रित
विधियाँ	व्याख्यान
तकनीक	संवाद
उपादान	कक्षागत/ऑनलाइन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सम्बन्धित विषय में विज्ञान एवं कौशल पैदा करना	सम्बन्धित विषय में सन्दर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ने के अध्ययन का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	सम्बन्धित विषय के अध्ययन, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना	विद्यार्थी सम्बन्धित विषय के अध्ययन द्वारा समाज में सम्बन्धित विषय में ज्ञान उत्पादन में अग्रसर होगा	सम्बन्धित विषय में शोध और अनुसन्धान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	सम्बन्धित विषय में सरकारी एवं सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	सम्बन्धित विषय में गैर सरकारी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। व स्वयं की संस्था बनाकर समाज के लोगों के लिए काम करेगा

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	महावंस संपा. उपासक, सी. एस., नालन्दा संस्करण महावंस : अनु. कौसल्यायन, भदन्त आनन्द, बुद्धभूमि प्रकाशन, नागपुर दाठावंस : संपा. एवं अनु., ज्ञानादित्य शाक्य, संज्ञान प्रकाशन, नागपुर अनागतवंस : संपा. एवं अनु., ज्ञानादित्य शाक्य, संज्ञान प्रकाशन, नागपुर जिनालंकार : संपा. एवं अनु., ज्ञानादित्य शाक्य, संज्ञान प्रकाशन, नागपुर अभिधम्मत्थसंग्रहो : संपा. एवं अनु. कौसल्यायन, भदन्त आनन्द, दीक्षाभूमि प्रकाशन, नागपुर अभिधम्मत्थसंग्रहो : संपा. एवं अनु. त्रिपाठी, रामशंकर एवं रेवत धम्मो, संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, जिनचरित : संपा. एवं अनु. सिंह, सिद्धार्थ, पिलग्रिम्स पब्लिसिंग हाउस, वाराणसी अभिधम्मत्थसंग्रहो (नवनीतटीका सहित) : कौसाम्बी, धर्मानन्द, महाबोधि सोसायटी, सारनाथ, वाराणसी सद्धम्मसंग्रहो (13 वीं शताब्दी तक का बौद्ध धर्म का संक्षिप्त इतिहास) - सिद्धार्थ, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2	संदर्भ-ग्रंथ	पालि भाषा और साहित्य - शास्त्री, इन्द्र चन्द्र, प्रकाशन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय पालि साहित्य का इतिहास - भरतसिंह उपाध्याय, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग पालि साहित्य का इतिहास - भिक्षु धर्मरक्षित, ज्ञानमंडल प्रकाशन, वाराणसी पालि साहित्य का इतिहास - राहुल सांकृत्यायन, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ काव्यशास्त्र एवं पालि साहित्य - डा. शिवशंकर त्रिपाठी, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 2005
3	ई-संसाधन	इन्टरनेट आर्काइव , पी.डी.ऍफ़.ड्राइव , जे.स्टोर , परियत्ती.कॉम , होली बुक्स आदि पर उपलब्ध सामग्री
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

1. पाठ्यचर्या का नाम: बौद्ध लिपिशाला
(Name of the Course): (Buddhist Epigraphy)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MBS-20
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: चतुर्थ छमाही
(Credit) (Semester): VI th

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	02
कुल क्रेडिट घंटे	72

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): बौद्ध लिपिशाला की यह पाठ्यचर्या बौद्ध अध्ययन की पाठ्यचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बिना प्राचीन भारतीय लिपि – ब्राह्मी/धम्म लिपि समझ में नहीं आ सकती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी) : इस पाठ्यचर्या की पढ़ाई से छात्र प्राचीन भारतीय लिपि – ब्राह्मी/धम्म लिपि को पढ़ने, समझने और स्वयं के अध्ययन से वह प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व को समझ सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	भारत में लेखन कला का इतिहास भारतीय लिपियों की उत्पत्ति एवं विकास	10	02		12	100 %
मॉड्यूल-2	भारतीय लेखन पद्धति का विकास धम्मलिपि/ब्राह्मीलिपि का उद्भव और विकास	10	02		12	100 %
मॉड्यूल-3	दिल्ली स्थित सम्राट अशोक स्तम्भलेख सम्राट अशोक का तेरहवीं शिलालेख सम्राट अशोक का लुम्बिनी स्तम्भलेख	10	02		12	100 %
मॉड्यूल-4	लिपि लिप्यान्तरण: 1-सम्राट अशोक कालीन धम्मलिपि/ ब्राह्मीलिपि से	15	02	01	18	100 %

	देवनागरी में लिप्यान्तरण					
मॉड्यूल-5	लिपि लिप्यान्तरण: 2-देवनागरी से सम्राट अशोक कालीन धम्मलिपि / ब्राह्मीलिपि में लिप्यान्तरण	15	02	01	18	100 %
योग		60	10	02	72	100 %

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	इससे छात्र प्राचीन भारतीय एवं बौद्ध इतिहास महत्वपूर्ण लिपि को समझ सकेगा। बौद्ध अध्ययन को पढ़ने के लिए यह एक महत्वपूर्ण विषय है।
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान के द्वारा आपसी संवाद एवं समूह परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी.
तकनीक	कक्षा व्याख्यान, पी.पी.टी., इतिहास पढ़ने में अभिरुचि पैदा करना.
उपादान	पी.पी.टी.

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	ब्रह्मी लिपि/धम्म लिपि से छात्र प्राचीन भारतीय इतिहास एवं बौद्ध धम्म के इतिहास को समझ सकेगा.	ब्रह्मी लिपि/धम्म लिपि से पुरातत्व में रुचि पैदा होगी	वह ब्रह्मी लिपि/धम्म लिपि को स्वतंत्र तौर से पढ़ने व लिखने की महारत हासिल करेगा	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)	सत्रांत परीक्षा (75%)
---------------------------	--------------------------

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	भारतीय पुरालिपि, दिनेश चन्द्र सरकार, अनुवाद: कृष्णदत्त वाजपेयी, दिल्ली: विद्यानिधि प्रकाशन, 2013 भारतीय पुरालिपि, राजबली पाण्डेय, इलाहाबाद: लोक भारती प्रकाशन, 1978 भारतीय लिपिमाला, गौरीशंकर हीरानन्द ओझा, भारतीय लिपियों की कहानी, गुणाकर मुले, दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	अशोक, राधाकुमुद मुखर्जी, दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास, 2004 अशोक के अभिलेख, राजबली पांडे, सलेक्ट इस्क्रिप्शंस, डी. सी. सरकार, कोलकाता Piprahwa Buddhist Vase Inscription (Buhler, JRAS 1898: 387ff; Futherer, An. Prog. Rep. Rep. Arch. Surv., NWP & Oudh, 1898:3; Peppe, JRAS, 1898: 576f; Smith-Davids-Hoey, JRAS, 1898: 586ff; Bloch, JRAS, 1899: 42f; Davids, JRAS, 1901: 398; Pischel, Z.W.M.G., LVI: 157f; Sitz. Preuss. Al.Wiss., 1905:526; Levi, Journal des Savants, 1905: 540ff; Fleet, JRAS, 1905: 679ff; Fleet, JRAS, 1906: 149ff; Thomas, JRAS, 11906: 452f; Senart, Journal Asiatique, X vii:132ff; Barth, Journal des Savants, 1906: 541ff; Fleet, JRAS: 1907: 105ff; Barth, Indian Antiquary, XXXVI : 117ff; Luders, List #931.) Lumbini Pillar Inscription of Asoka (Hultzsck, Corpus Ins. Indicarum I; Barua; Asoka and His Inscriptions)
3	ई-संसाधन	ब्रह्मी लिपि/धम्म लिपि और प्राचीन बौद्ध स्थलों पर बनी फ़िल्में और वृत्तिचित्र.
4	अन्य	ब्रह्मी लिपि/धम्म लिपि से जुड़े पुरातत्व बौद्ध स्थलों का भ्रमण करने सलाह.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

1. पाठ्यचर्या का नाम: बौद्ध धम्म में आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियों
(Name of the Course) : (Modern Globalized Trends in Buddhism)
2. पाठ्यचर्या का कोड: MBS-21
(Code of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	02
कुल क्रेडिट घंटे	72

3. क्रेडिट: 04
4. सेमेस्टर: चतुर्थ छमाही
(Credit) (Semester): IV th

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियों की यह पाठ्यचर्या बौद्ध अध्ययन की पाठ्यचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है. इसके बिना बौद्ध अध्ययन की पढ़ाई और समझ नहीं आ सकती है.

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes)
(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी) : इस पाठ्यचर्या की पढ़ाई से छात्र बौद्ध अध्ययन को पढ़ने, समझने और स्वयं के अध्यवसाय से वह आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियों को समझ सकेगा.

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	अहिंसा पर बौद्ध विचार. जीवन मूल्य: आत्महत्या और ईच्छा मृत्यु. दंड एवं दायित्व: मृत्युदण्ड. आतंकवाद संबंधी बौद्ध नैतिक विचार.	15	02		17	100 %
मॉड्यूल-2	बौद्ध धम्म एवं परिस्थितिकी . बौद्ध धम्म एवं विज्ञान .	10	02		12	100 %
मॉड्यूल-3	बौद्ध धम्म एवं महिला सशक्तिकरण. बौद्ध धम्म एवं मानवाधिकार. समाजोन्मुख सक्रिय बौद्ध धम्म.	10	02		12	100 %
मॉड्यूल-4	भिक्षु बुद्धदस फ्रा धम्मचयो और सुलक	15	02	01	18	100 %

	सिक्किम : एशिया में बौद्ध गतिविधि , थिक न्हा हान्हा और प्रायोगिक (अनुप्रयुक्त) बौद्ध धर्म , दलाई लामा और बौद्ध धर्म					
मॉड्यूल-5	डॉ आंबेडकर और बौद्ध गतिविधि , डॉ एस. एन. गोयनका और विपश्यना गतिविधि	10	02	01	13	100 %
योग		60	10	02	72	100 %

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	इससे छात्र आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियों को समझ सकेगा. बौद्ध अध्ययन को पढ़ने के लिए यह एक महत्वपूर्ण विषय है.
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान के द्वारा आपसी संवाद एवं समूह परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी.
तकनीक	कक्षा व्याख्यान, पी.पी.टी., इतिहास पढ़ने में अभिरुचि पैदा करना.
उपादान	पी.पी.टी.

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	इससे छात्र आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियों को समझ सकेगा.	आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियों में रुचि पैदा होगी	छात्र में आधुनिक चुनौतियों के प्रति संवेदनाशीलता और जिम्मेदार नागरिक बनेगा	-	X	-	X	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	

	मूल्यांकन				
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	बुद्धचर्या : सांकृत्यायन, राहुल, भारतीय बौद्ध समिति, लखनऊ विनयपिटक : शास्त्री, स्वामी द्वारिकादास, बौद्ध भारती, वाराणसी दीघनिकाय - संपा. एवं अनु. शास्त्री, स्वामी द्वारिकादास, बौद्ध भारती प्रकाशन, वाराणसी मज्झिमनिकाय : संपा. शास्त्री, स्वामी द्वारिकादास, बौद्ध भारती प्रकाशन, वाराणसी धम्मपद - संपा., कौसल्यायन, भदन्त आनन्द, दीक्षाभूमि, नागपुर धम्मपद - संपा., संघसेन, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली सुत्तनिपातो - संपा., धम्मरतन, महाबोधि सोसाइटी, सारनाथ, वाराणसी सुत्तनिपातो - संपा., भिक्षु धर्मरक्षित, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2	संदर्भ-ग्रंथ	बौद्ध धर्म के पच्चीस सौ वर्ष हिंदी- संपा. बापट, पी. वी., प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली बौद्ध धर्म का सार- नरसु. पी. लक्ष्मी, बुद्धभूमि प्रकाशन, नागपुर प्राचीन भारतीय बौद्ध धर्म की उत्पत्ति, स्वरूप और पतन- सराओ, के. टी. एस., ताइपेई, ताइवान बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास- पाण्डे, गोविन्द चन्द्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ बौद्ध दर्शन मीमांसा - उपाध्याय, बलदेव, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी.
3	ई-संसाधन	प्राचीन बौद्ध स्थलों पर बनी फ़िल्में और वृत्तिचित्र
4	अन्य	पुरातत्व बौद्ध स्थलों का भ्रमण करने सलाह

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. विभाग/केंद्र का नाम : बौद्ध अध्ययन
2. पाठ्यक्रम का नाम : बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर
3. पाठ्यक्रम कोड : एम्. बी. एस _____
4. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
(विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अधीन परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
बौद्ध अध्ययन का भारतीय विद्या में एक प्रमुख स्थान है। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना को इस रूप में बनाया गया है कि विद्यार्थी प्राचीन भारतीय भाषा, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, इतिहास आदि समस्त ज्ञानानुशासनों का परिचय पा सके और भारतीय विद्या परम्परा में उसकी रूचि और गति हो सके।	बौद्ध अध्ययन के इस पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण विद्यार्थी में यह कौशल विकसित हो सकेगा कि वह सम्बद्ध ज्ञानानुशासन में नयी ज्ञान की रचना करने में कुशल हो सकेगा तथा परम्परागत ज्ञान और कौशल का शोध द्वारा विकास कर सकेगा। इसके अतिरिक्त ज्ञान का समाजोपयोगी संस्करण प्रस्तुत कर सकेगा अर्थात् ज्ञान का समाज और उसकी समस्याओं से संवाद स्थापित कर सकेगा। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना इस रूप में विशिष्ट है कि इसमें दक्ष विद्यार्थी अपने अंतर और बाह्य अर्थात् अपना जीवन और जगत के साथ कुशलता पूर्वक सामंजस्य स्थापित कर सकेगा।	बौद्ध अध्ययन के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण हुआ विद्यार्थी के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। साथ ही शोध के क्षेत्र में भी उसके लिए असीम संभावनाएं होती हैं। बौद्ध अध्ययन का प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थी के लिए समाज में व्यावसायिक रूप से परामर्शदाता के रूप में भी योग्य बनाता है।

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनुसार पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	MBS-01: पालि भाषा एवं व्याकरण = 4 क्रेडिट MBS 02 – पाली साहित्य का सामान्य परिचय = क्रेडिट 4 MBS 03 बौद्ध धम्म का इतिहास क्रेडिट 4 MBS 04 प्रारंभिक बौद्ध दर्शन क्रेडिट 4	MBS 05: बुद्ध का जीवन एवं उनकी शिक्षाएं क्रेडिट 2 MBS 06 – बौद्ध संस्कार साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	22 क्रेडिट
दूसरा सेमेस्टर	MBS 07 चीनी भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 अथवा तिब्बती भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 MBS 08: महायान बौद्ध धर्म क्रेडिट 4 MBS-9 बौद्ध धर्म का सर्वेक्षण क्रेडिट 4 MBS-010: बौद्ध कला एवं स्थापत्य क्रेडिट 4	MBS-11 बौद्ध नीतिशास्त्र के आधार क्रेडिट 4 MBS-12 बौद्ध दर्शन और मनोविज्ञान का परिचय क्रेडिट 2	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	MBS-13: पालि सुत्त साहित्य क्रेडिट 4 MBS-14: पालि विनय साहित्य क्रेडिट 4 MBS-15: पालि अभिधम्म साहित्य क्रेडिट 4 MBS-16: उत्तरकालीन पालि साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	MBS 17 पालि तिपिटक पद्य साहित्य क्रेडिट 4 MBS 18 वंस एवं पालि काव्य साहित्य क्रेडिट 4	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	MBS-19 : बौद्ध लिपिशास्त्र क्रेडिट-04 MBS-20 : बौद्ध धम्म में आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियों क्रेडिट 4 MBS-21 : बौद्ध दर्शन के विभिन्न संप्रदाय क्रेडिट 4 MBS 22 बौद्ध ज्ञानमीमांसा और न्यायशास्त्र	MBS-24: भारत एवं विदेशों में बौद्ध धम्म का प्रचार एवं प्रसार क्रेडिट 2 MBS 24 : बौद्ध धर्म के पुनर्जागरण में डॉ आंबेडकर का योगदान क्रेडिट 4	22 क्रेडिट

कुल क्रेडिट	64 क्रेडिट	26 क्रेडिट	90 क्रेडिट
-------------	------------	------------	------------

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएँगे। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: बौद्ध दर्शन के विभिन्न सम्प्रदाय

2. पाठ्यचर्या का कोड: MBS 21

3. क्रेडिट: 4 4. सेमेस्टर: चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: प्रस्तुत पाठ्यचर्या बौद्ध दर्शन का परिचयात्मक निदर्शन प्रस्तुत करती है। इसमें बौद्ध दर्शन के चारों प्रस्थानों के दर्शन को अभिव्यक्त करने वाले ग्रंथों का पाठ एवं व्याख्या सन्निहित है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: प्रस्तुत पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थी बौद्ध अध्ययन के सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्ष अर्थात् बौद्ध दर्शन के विभिन्न आयामों को जान सकेगा। साथ ही वह बौद्ध धर्म के विकास क्रम के मूल सूत्रों की भी पहचान कर सकेगा

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/		

				Training/ Laboratory)		Course)
मॉड्यूल-1 धेरवाद	1.मिलिंदपंहो 2.विसुद्धिमगो	15			15	25
मॉड्यूल-2 सर्वास्तिवाद	1.अभिधर्मकोश	15			15	25
मॉड्यूल-3 माध्यमिक	1. माध्यमिककारिका	15			15	25
मॉड्यूल-4 योगाचार	2. विजप्तिमात्रता सिद्धि	15			15	25
मॉड्यूल-5--						
योग						

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अध्यापक केन्द्रित
विधियाँ	व्याख्यान , वाद- संवाद
तकनीक	पूछताछ ,अन्वेषण
उपादान	ब्लैक-बोर्ड ,मोबाइल , लैपटॉप , प्रोजेक्टर एवं अन्य ऑडियो- विजुअल उपादान एवं अन्य संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा	सम्बन्धित	सम्बन्धित	कक्षा में	सम्बन्धित विषय	विद्यार्थी	सम्बन्धित	सम्बन्धित	सम्बन्धित

नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	विषय में सन्दर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ने के अध्ययन का विकास करना	व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	के अध्ययन, अध्ययन, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना	सम्बंधित विषय के अध्ययन द्वारा समाज में सम्बंधित विषय में ज्ञान उत्पादन में अग्रसर होगा	विषय में शोध और अनुसन्धान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	विषय में सरकारी एवं सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	विषय में गैर सरकारी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। व. स्वयं की संस्था बनाकर समाज के लोगों के लिए काम करेगा

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	विसुद्धिमगगो – संपा – शास्त्री, स्वामी द्वारिका दास, बौद्ध भारती, वाराणसी अभिधर्मकोश – संपा. प्रधान, प्रह्लाद, के. पी. जायसवाल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पटना अभिधर्मकोश – संपा. शास्त्री, स्वामी द्वारिकादास, बौद्ध भारती, वाराणसी अधिधर्मकोश – हिन्दी अनु. आचार्य नरेन्द्रदेव, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद माध्यमिककारिका – वैद्य, पी. एल., मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, दरभंगा विज्ञप्तिमात्रतासिद्धि – संपा. तिवारी, महेश – चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	बौद्ध दर्शन – सांकृत्यायन, राहुल, किताब महल इलाहाबाद बौद्ध धर्म का सार – नरसु, पी. लक्ष्मी, बुद्धभूमि प्रकाशन, नागपुर बौद्ध धर्म एक बुद्धिवादी अध्ययन – कौसल्यायन, भदंत आनन्द, बुद्धभूमि प्रकाशन, नागपुर बौद्ध-धर्म-दर्शन – देव, नरेन्द्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली. बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास – पाण्डेय, गोविन्द चन्द्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ बौद्ध दर्शन और अन्य भारतीय दर्शन – उपाध्याय, भरतसिंह, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली दर्शन-दिग्दर्शन – सांकृत्यायन, राहुल, किताब महल, इलाहाबाद बौद्ध दर्शन मीमांसा – उपाध्याय, बलदेव, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी भगवान बुद्ध-जीवन और दर्शन, कोसंबी, धर्मानन्द, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली Conze, E., <i>Buddhist Thought in India</i>, Delhi: 1996. Lokhande, Bhau: <i>Impact of Buddhism on Marathi saint Literature</i>: Puna: Sugawa Publication, 2014 Dutt, N., <i>Buddhist Sects in India</i>, Delhi: 1978.
3	ई-संसाधन	इन्टरनेट आर्काइव , पी.डी.ऍफ़.ड्राइव , जे.स्टोर , परियत्ती.कॉम , होली बुक्स आदि पर उपलब्ध सामग्री
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

- विभाग/केंद्र का नाम : बौद्ध अध्ययन _____
(Name of the Department/Centre)
- पाठ्यक्रम का नाम : बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर _____
(Name of the Programme)
- पाठ्यक्रम कोड : एम्. बी. एस. _____
(Code of the Programme)
- अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
(Programme Learning Outcomes)
(विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
बौद्ध अध्ययन का भारतीय विद्या में एक प्रमुख स्थान है। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना को इस रूप में बनाया गया है कि विद्यार्थी प्राचीन भारतीय भाषा, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, इतिहास आदि समस्त ज्ञानानुशासनों का परिचय पा सके और भारतीय विद्या परम्परा में उसकी रुचि और गति हो सके।	बौद्ध अध्ययन के इस पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण विद्यार्थी में यह कौशल विकसित हो सकेगा कि वह सम्बद्ध ज्ञानानुशासन में नयी ज्ञान की रचना करने में कुशल हो सकेगा तथा परम्परागत ज्ञान और कौशल का शोध द्वारा विकास कर सकेगा। इसके अनतिरिक्त ज्ञान का समाजोपयोगी संस्करण प्रस्तुत कर सकेगा अर्थात् ज्ञान का समाज और उसकी समस्याओं से संवाद स्थापित कर सकेगा। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना इस रूप में विशिष्ट है कि इसमें दक्ष विद्यार्थी अपने अंतर और बाह्य अर्थात् अपना जीवन और जगत के साथ कुशलता पूर्वक सामंजस्य स्थापित कर सकेगा।	बौद्ध अध्ययन के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण हुआ विद्यार्थी के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। साथ ही शोध के क्षेत्र में भी उसके लिए असीम संभावनाएं होती हैं। बौद्ध अध्ययन का प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थी के लिए समाज में व्यावसायिक रूप से परामर्शदाता के रूप में भी योग्य बनाता है।

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनुसार पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	MBS-01: पालि भाषा एवं व्याकरण = 4 क्रेडिट MBS 02 – पाली साहित्य का सामान्य परिचय = क्रेडिट 4 MBS 03 बौद्ध धम्म का इतिहास	MBS 05: बुद्ध का जीवन एवं उनकी शिक्षाएं क्रेडिट 2 MBS 06 – बौद्ध संकर साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	22 क्रेडिट

	क्रेडिट 4 MBS 04 प्राथमिक बौद्ध दर्शन क्रेडिट 4		
दूसरा सेमेस्टर	MBS 07 चीनी भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 अथवा तिब्बती भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 MBS 08: महायान बौद्ध धर्म क्रेडिट 4 MBS-9 बौद्ध धर्म का सर्वेक्षण क्रेडिट 4 MBS-010: बौद्ध कला एवं स्थापत्य क्रेडिट 4	MBS-11 बौद्ध नीतिशास्त्र के आधार क्रेडिट 4 MBS-12 बौद्ध दर्शन और मनोविज्ञान का परिचय क्रेडिट 2	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	MBS-13: पालि सुत्त साहित्य क्रेडिट 4 MBS-14: पालि विनय साहित्य क्रेडिट 4 MBS-15: पालि अभिधम्म साहित्य क्रेडिट 4 MBS-16: उत्तरकालीन पालि साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	MBS 17 पालि तिपिटक पद्य साहित्य क्रेडिट 4 MBS 18 वंस एवं पालि काव्य साहित्य क्रेडिट 4	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	MBS-19 : बौद्ध लिपिशास्त्र क्रेडिट-04 MBS-20 : बौद्ध धम्म में आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियों क्रेडिट 4 MBS-21 : बौद्ध दर्शन के विभिन्न संप्रदाय क्रेडिट 4 MBS 22 बौद्ध ज्ञानमीमांसा और न्यायशास्त्र	MBS-24: भारत एवं विदेशों में बौद्ध धम्म का प्रचार एवं प्रसार क्रेडिट 2 MBS 24 : बौद्ध धर्म के पुनर्जागरण में डॉ आंबेडकर का योगदान क्रेडिट 4	22 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	64 क्रेडिट	26 क्रेडिट	90 क्रेडिट

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएंगे। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।

3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: बौद्ध ज्ञानमीमांसा और न्यायशास्त्र
2. पाठ्यचर्या का कोड: MBS 22
3. क्रेडिट: 4
4. सेमेस्टर: चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: प्रस्तुत पाठ्यचर्या के अंतर्गत बौद्ध ज्ञानमीमांसा और न्यायशास्त्र का परिचय एवं महत्व, न्यायबिन्दु ग्रन्थ के प्रत्यक्ष परिच्छेद का पाठ और व्याख्या निहित है। इसमें बौद्ध ज्ञानमीमांसा के महत्वपूर्ण पक्षों यथा, प्रत्यक्ष प्रमाण, अनुमान प्रमाण, बौद्ध अर्थवाद का समावेश है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: पाठ्यचर्या द्वारा विद्यार्थी बौद्ध ज्ञान मीमांसा के आधारभूत संप्रत्ययों का विशेष परिचय पा सकेगा। यह पाठ्यचर्या बौद्ध न्याय के सामान्य परिचय के साथ-साथ विद्यार्थी को बौद्ध भाषा-दर्शन का विशेष ज्ञान दे सकेगा जिसके द्वारा उसका बौद्ध अध्ययन एवं सम्बद्ध ज्ञानानुशासनों में रूचि व गति हो सकेगी।

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1 प्रत्यक्ष परिच्छेद	प्रत्यक्ष परिच्छेद	10	×	संवाद – 05	15	25 %
मॉड्यूल-2 अनुमान प्रमाण और पंचावयव	अनुमान प्रमाण और पंचावयव	10	×	संवाद -05	15	25 %

मॉड्यूल-3 बौद्ध अर्थवाद	बौद्ध अर्थवाद	10	×	संवाद-05	15	25%
मॉड्यूल-4 न्याय बिंदु प्रथम परिच्छेद	न्याय बिंदु प्रथम परिच्छेद	10	×	संवाद -05	15	25%
योग					60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अध्यापक केन्द्रित
विधियाँ	व्याख्यान
तकनीक	संवाद
उपादान	कक्षागत/ऑनलाइन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सम्बंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	सम्बंधित विषय में सन्दर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	सम्बंधित विषय के आध्यान, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना	विद्यार्थी सम्बंधित विषय के अध्ययन द्वारा समाज में सम्बंधित विषय में ज्ञान उत्पादन में अग्रसर होगा	सम्बंधित विषय में शोध और अनुसन्धान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय	सम्बंधित विषय में सरकारी एवं क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	सम्बंधित विषय में गैर सरकारी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। व. स्वयं की संस्था

						स्वायत्त करेगा		जवावर समाज के लोगों के लिए काम करेगा

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार *	सत्रीय-पत्र #	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

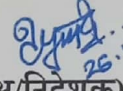
आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

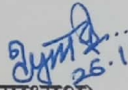
11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	बौद्ध न्याय, भाग-1, थियोडोर शेरबात्सकी, हिन्दी अनुवाद: राम कुमार राय, वाराणसी: चौखम्बा

		विद्याभवन, 1969 • न्याय बिन्दु, चन्द्रशेखर शास्त्री, वाराणसी: चौखम्बा संस्कृत सीरीज, 1924, 1981
2	संदर्भ-ग्रंथ	• न्याय बिन्दु, गोविन्द चन्द्र पाण्डे, सारनाथ: केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, 1995 • बौद्ध दर्शन, राहुल सांकृत्यायन, इलाहबाद: किताब महल, 1943, पुनर्मुद्रण 2005 • बौद्ध दर्शन में प्रमाण मीमांसा, धर्मचन्द्र जैन, जोधपुर: जय नारायण विश्वविद्यालय, 2009
3	ई-संसाधन	इन्टरनेट आर्काइव , पी.डी.ऍफ़.ड्राइव , जे.स्टोर , परियत्ती.कॉम , होली बुक्स आदि पर उपलब्ध सामग्री
4	अन्य	


(विभागाध्यक्ष/निदेशक)


(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Teaching Programme

1. विभाग/केंद्र का नाम : बौद्ध अध्ययन
2. पाठ्यक्रम का नाम : बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर
3. पाठ्यक्रम कोड : एम.बी.एस.
(Code of the Programme)
4. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
(विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेंगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
बौद्ध अध्ययन का भारतीय विद्या में एक प्रमुख स्थान है। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना को इस रूप में बनाया गया है कि विद्यार्थी प्राचीन भारतीय भाषा, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, इतिहास आदि समस्त ज्ञानानुशासनों का परिचय पा सके और भारतीय विद्या परम्परा में उसकी रूचि और गति हो सके।	बौद्ध अध्ययन के इस पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण विद्यार्थी में यह कौशल विकसित हो सकेगा कि वह सम्बद्ध ज्ञानानुशासन में नयी ज्ञान की रचना करने में कुशल हो सकेगा तथा परम्परागत ज्ञान और कौशल का शोध द्वारा विकास कर सकेगा। इसके अतिरिक्त ज्ञान का समाजोपयोगी संस्करण प्रस्तुत कर सकेगा अर्थात् ज्ञान का समाज और उसकी समस्याओं से संवाद स्थापित कर सकेगा। बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना इस रूप में विशिष्ट है कि इसमें दक्ष विद्यार्थी अपने अंतर और बाह्य अर्थात् अपना जीवन और जगत के साथ कुशलता पूर्वक सामंजस्य स्थापित कर सकेगा।	बौद्ध अध्ययन के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण हुए विद्यार्थी के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। साथ ही शोध के क्षेत्र में भी उसके लिए असीम संभावनाएँ होती हैं। बौद्ध अध्ययन का प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थी के लिए समाज में व्यावसायिक रूप से परामर्शदाता के रूप में भी योग्य बनाता है।

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनु रूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	MBS-01: पालि भाषा एवं व्याकरण = 4 क्रेडिट	MBS 05: बुद्ध का जीवन एवं उनकी शिक्षाएं	22 क्रेडिट

	MBS 02 - पाली साहित्य का सामान्य परिचय = क्रेडिट 4 MBS 03 बौद्ध धम्म का इतिहास क्रेडिट 4 MBS 04 प्राथमिक बौद्ध दर्शन क्रेडिट 4	क्रेडिट 2 MBS 06 - बौद्ध संस्कृत साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	
दूसरा सेमेस्टर	MBS 07 चीनी भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 अथवा तिब्बती भाषा एवं धर्म क्रेडिट 4 MBS 08: महायान बौद्ध धर्म क्रेडिट 4 MBS-9 बौद्ध धर्म का सर्वेक्षण क्रेडिट 4 MBS-010: बौद्ध कला एवं स्थापत्य क्रेडिट 4	MBS-11 बौद्ध नीतिशास्त्र के आधार क्रेडिट 4 MBS-12 बौद्ध दर्शन और मनोविज्ञान का परिचय क्रेडिट 2	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	MBS-13 : पालि सुत्त साहित्य क्रेडिट 4 MBS-14 : पालि विनय साहित्य क्रेडिट 4 MBS-15 : पालि अभिधम्म साहित्य क्रेडिट 4 MBS-16 : उत्तरकालीन पालि साहित्य का परिचय क्रेडिट 4	MBS 17 पालि तिपिटक पद्य साहित्य क्रेडिट 4 MBS 18 वंस एवं पालि काव्य साहित्य क्रेडिट 4	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	MBS-19 : बौद्ध लिपिशास्त्र क्रेडिट-04 MBS-20 : बौद्ध धम्म में आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियों क्रेडिट 4 MBS-21 : बौद्ध दर्शन के विभिन्न संप्रदाय क्रेडिट 4 MBS 22 बौद्ध ज्ञानमीमासा और न्यायशास्त्र	MBS-24: भारत एवं विदेशों में बौद्ध धम्म का प्रचार एवं प्रसार क्रेडिट 2 MBS 24 : बौद्ध धर्म के पुनर्जागरण में डॉ आंबेडकर का योगदान क्रेडिट 4	22 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	64 क्रेडिट	26 क्रेडिट	90 क्रेडिट

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएँगे। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: भारत एवं विदेशों में बौद्ध धम्म का प्रचार एवं प्रसार
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: MBS 23
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2
(Credit)

4. सेमेस्टर: चतुर्थ
(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण: प्रस्तुत पाठ्यचर्या के अंतर्गत भारत एवं भारत से बाहर विदेशों में बौद्ध धर्म का प्रचार एवं प्रसार के कारणों और परिणामों का वर्णन है।
(Description of Course)

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: प्रस्तुत पाठ्यचर्या के द्वारा विद्यार्थी भारत में बौद्ध धर्म का प्रसार, विदेशों में बौद्ध धर्म का प्रसार एवं पिन कार्यों में प्रमुख शासकों की भूमिका से अवगत हो सकेगा।
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1 भारत में बौद्ध धर्म का प्रसार	1. कश्मीर 2. मध्य प्रदेश	20			20	33.3

	3. गुजरात 4. महाराष्ट्र 5. उड़ीसा 6. दक्षिण भारत					
मॉड्यूल-2 विदेशों में बौद्ध धर्म का प्रसार	1. श्रीलंका 2. चीन 3. तिब्बत 4. म्यांमार 5. थाईलैंड 6. जापान	20			20	33.3
मॉड्यूल-3 प्रमुख शासकों की भूमिका	1. सम्राट अशोक 2. सम्राट कनिष्क 3. गुप्त वंशीय शासक 4. पाल वंशीय शासक	20			20	33.3
मॉड्यूल-4						
मॉड्यूल-5						
योग						

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षाधारित व अध्यापक केन्द्रित	
विधियाँ	व्याख्यान	
तकनीक	संवाद	
उपादान	कक्षागत/ऑनलाइन	

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सम्बंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	सम्बंधित विषय में सन्दर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	सम्बंधित विषय के आध्यान, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना	विद्यार्थी सम्बंधित विषय के अध्ययन द्वारा समाज में सम्बंधित विषय में ज्ञान उत्पादन में अग्रसर होगा	सम्बंधित विषय में शोध और अनुसन्धान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	सम्बंधित विषय में सरकारी एवं क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	सम्बंधित विषय में गैर सरकारी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। व: स्वयं की संस्था बनाकर समाज के लोगों के लिए काम करेगा

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार *	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)	मौखिकी (20%)
------------------------	--------------

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
विधायित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	बौद्ध धर्म के पच्चीस सौ वर्ष हिंदी- संपा. बापट, पी. वी., प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास- पाण्डे, गोविन्द चन्द्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ सद्धम्मसंगहो (13 वीं शताब्दी तक का बौद्ध धर्म का संक्षिप्त इतिहास) - सिद्धार्थ, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2	संदर्भ-ग्रंथ	Bapat, P.V. (Ed.), 2500 Years of Buddhism, Publication Division Govt. of India New Delhi: 1956 Dutt, N., Early Monastic Buddhism, 2 Vols, Calcutta: 1943 Nakamura, H., Indian Buddhism: A Survey with Bibliographical Notes, reprint, Delhi: 1989 Sarao, K. T.S (ed.), A Text Book of the History of Theravada Buddhism, Delhi University: 1995 Sarao, K. T. S., Origin and Nature of Ancient Indian Buddhism, 4th revised edition, Taipei: CBBEF, 2004. Sarao, K.T.S., Decline of Indian Buddhism: A new Perspective, New Delhi: Munshiram Manoharlal, 2011. Mitra, R. C., The Decline of Buddhism in India, Santiniketan, Birbhum: Vishva Bharati, 1954. Beechert, H. & R. Gombrich (Ed), The World of Buddhism, London: Thames & Hudson, 1988. Conze, E., A Short History of Buddhism, 2nd edition, London: Unwin Hyman, 1982. Z ruher, E., Buddhism, Its Origin and Spread in Words, maps and Pictures, London: 1962. Philips, C. H. (ed); Historians of India, Pakistan and Ceylon, London: Oxford Uni Press, 1961: chap 1, 3, 4-5, 8-9, 19-20 Adikaram, E. W. , Early History of Buddhism in Ceylon or "State of Buddhism in Ceylon as Revealed by the Cady, J.F., Thailand, Burma, Laos and Cambodia, New Jersey: 1966. Hall, D.G.E., A History of South-East Asia, New York: 1970. Hazra, K.L., History of Theravada Buddhism in South-East Asia, Delhi: 1982.
3	ई-संसाधन	इन्टरनेट आर्काइव , पी.डी.ऍफ़.ड्राइव , जे.स्टोर ,

		परियत्ती.कॉम , होली बुक्स आदि पर उपलब्ध सामग्री
4	अन्य	

गुप्त
26.10.2020
(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

गुप्त
26.10.2020
(संकायाध्यक्ष)

1. पाठ्यचर्या का नाम: बौद्ध धम्म के पुनर्जागरण में डॉ.
आंबेडकर का योगदान
(Name of the Course): (Dr. Ambedkar's Role in
Revival of Buddhism)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MBS-25
(Code of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	02
कुल क्रेडिट घंटे	72

3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: चतुर्थ छमाही
(Credit) (Semester): IV th

(Dr. Ambedkar's Role in Revival of Buddhism)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): यह पाठ्यचर्या बौद्ध अध्ययन की पाठ्यचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे आधुनिक काल में बौद्ध धम्म के पुनर्जागरण को समझा जा सकता है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी) : इस पाठ्यचर्या की पढ़ाई से छात्र बौद्ध अध्ययन को पढ़ने, समझने और स्वयं के अध्यवसाय से वह आधुनिक काल में बौद्ध धम्म के पुनर्जागरण को समझ सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला...(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	पुनर्जागरण की पृष्ठभूमि पुरातात्विक- ब्रिटिश पुरातत्वविदों का योगदान. धार्मिक- अनागारिक धम्मपाल. साहित्यिक- आचार्य धर्मानंद कोसांबी, पी. एल. नरसू.	15	02		17	100 %
मॉड्यूल-2	डॉ. आंबेडकर का हिंदू धर्म से मोहभंग: 1920 से 1935 तक का लेखन एवं भाषण, महाड का सत्याग्रह, नासिक का कालाराम सत्याग्रह, तीनों गोलमेज सम्मेलन, पूना पैक्ट, 1935 का येवला	10	02		12	100 %

	कांफ्रेंस, 1936 का बम्बई कांफ्रेंस-भुविक्त कौन पथे ? , दासता एवं अछूतपन।				07	100 %
मॉड्यूल-3	डॉ. आंबेडकर का बौद्ध धर्म की ओर झुकवः बौद्ध धम्म संबंधित व्याख्यान, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन- सिलोन, रंगून, काठमाण्डू। सिलोन-1950, बर्मा-1954, भारत में दिल्ली आकाशवाणी पर भाषण-1954 एवं 1950 से 1956 तक दिए गए अन्य भाषण, काठमाण्डू-1956	05	02			
मॉड्यूल-4	डॉ. आंबेडकर के भाषण एवं लेखन <i>The Untouchables.</i> <i>Preface to Essence of Buddhism</i> (P. Laxmi Narsu). <i>Buddha and the future of the Religion.</i> <i>Buddha And Karl Marx.</i>	15	02	01	18	100 %
मॉड्यूल-5	<i>Revolution And Counter Revolution in India.</i> <i>Buddha And His Dhamma.</i> <i>Rise and fall of Hindu Women's.</i>	15	02	01	18	100 %
योग		60	10	02	72	100 %

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	इससे छात्र आधुनिक काल में बौद्ध धम्म के पुनर्जागरण को समझ सकेगा. बौद्ध अध्ययन को पढ़ने के लिए यह एक महत्वपूर्ण विषय है.
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान के द्वारा आपसी संवाद एवं समूह परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी.
तकनीक	कक्षा व्याख्यान, पी.पी.टी., इतिहास पढ़ने में अभिरुचि पैदा करना.
उपादान	पी.पी.टी.

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	इससे छात्र आधुनिक काल में बौद्ध धम्म के पुनर्जागरण को समझ सकेगा.	बौद्ध धम्म के पुनर्जागरण में रुचि पैदा होगी	आधुनिक काल में बौद्ध धम्म के पुनर्जागरण एवं बौद्ध धम्म में रुचि	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

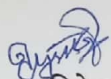
आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

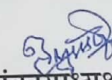
11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Vol 3 As a whole Vol 4 Riddle – 22, P.281 onwards Buddha & Democracy Vol – 5 P.182 -87 Distinction between Natural Religion and Revealed Religion Vol -7- P.23 Buddha & Purusho Sukta. 289- Nagas & Buddhism –

		P.341 to 379 onward. The Untouchables Reasons Vol - 9 What is mean by Culture- 283 - 385 what is the outlook of governing class 215-216, P.487 Battle for freedom Magna Charta P.487 Vol 12 Page 6to 30 Ancient History Vol- 13 On Constitution, Vol 16 Pāli - Dictionary Vol 17 Part I On Conversion-P 239- 243-P 250-253 Preface to the Essence of Buddha P.86 Buddha and Future of His Religion P.97to 108 The Rise & Fall of the Hindu woman P.109-129 Buddha & His Dahmma P.158
2	संदर्भ-ग्रंथ	All Book of Baba sahib Dr. B. R. Ambedkar (1) The Untouchables (2) Preface to Essence of Buddhism (P. Laxmi Narsu) (3) Buddha and the future of the Religion (4) Buddha And Karl Marx (5) Revolution And Counter Revolution in India (6) Buddha And His Dhamma (7) Rise and fall of Hindu Women's.
3	ई-संसाधन	बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर पर बनी फ़िल्में और वृत्तिचित्र
4	अन्य	बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर से जुड़े स्थलों का भ्रमण करने सलाह.


(विभागाध्यक्ष/निदेशक)


(संकायाध्यक्ष)